सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-58
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 04 जून 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

कहानी जहाँ खत्म होती है, जीवन वहीं से शुरू होता है।

भाजपा का नहीं चलता दिख रहा है अबकी बार 400 पार

इंडिया गठबंधन मे हर्ष फिर भी जीत के अकड़ो से दूर भजपा मे हताशा रुक्षनो मे एन. डी. ए आगे बनती दिख रही सरकार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के रुझानों में एनडीए को बहुमत मिल गया है। सुबह 11 बजे खबर लिखे जाने तक एनडीए को बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। रुझानों में एनडीए को 300 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, इंडी गठबंधन 200 का आंकड़ा पार कर लिया है। गठबंधन को करीब 220 सीटें मिलती दिख रही हैं। रुझानों में बेशक एनडीए ने बहुमत का आंकड़ा छू लिया है, लेकिन कुछ राज्यों में बीजेपी के लिए टेंशन की खबर है। पांच राज्यों में बड़े उलटफेर के संकेत मिल रहे हैं। सबसे बड़ा उलटफेर यूपी में देखने को मिल रहा है। रुझानों में यहां सपा सबसे बड़ी पार्टी बनती दिख रही है। इंडी गठबंधन यहां 43 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि एनडीए 36 सीटों पर आगे चल रहा है। महाराष्ट्र में भी एनडीए की स्थिति खराब है। एनडीए 16 सीटों पर ही आगे चल रहा है, जबकि इंडी गठबंधन 31 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। अन्य के खाते में एक सीट जाती दिख रही है। पश्चिम बंगाल में दीदी ममता का मैजिक फिर दिख रहा है। बीजेपी को यहां फिलहाल नुकसान हो रहा है। टीएमसी सबसे ज्यादा 26 सीटों पर आगे है। वहीं, बीजेपी 13 सीटों पर और कांग्रेस 2 सीटों पर आगे है। हरियाणा में इंडी गठबंधन मजबूत स्थिति में हैं। कांग्रेस 6 सीटों पर आगे चल रहा है। वहीं, बीजेपी सिर्फ चार सीटों पर आगे चल रही है। राजस्थान में भी उलटफेर के संकेत है। यहां बीजेपी को बड़ा नुकसान हो रहा है। यहां बीजेपी 13 सीटों पर जबकि कांग्रेस 12 सीटों पर आगे है। **ये आंकड़े शुरुआती रुझानों के मुताबिक हैं...**

रूझानों में बढ़ा बदलाव रोमांचक हुआ मुकाबला

लालवानी ने अपना ही रिकार्ड तोड़ा

इंदौर लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार शंकर लालवानी ने जीत की लीड का अपना ही पिछला रिकार्ड तोड दिया है। पिछले चुनाव में 5 लाख 47 हजार वोटों के मार्जिन से चुनाव जीता था, जो इंदौर लोकसभा चुनाव की सबसे बड़ी जीत थी। लालवानी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी संजय सोलंकी से 5 लाख 79 हजार 137 वोटों की लीड सातवें राउंड में बना ली।

भाजपा की हिमाद्री सिंह 1 लाख 60 हजार से आगे

भाजपा की हिमाद्री सिंह सुबह 11ः45 बजे तक 1 लाख 60 हजार 822 वोट से बढ़त बनाए हुए है। शहडोल लोकसभा की आठों विधानसभा में भाजपा लगातार पहले राउंड से लीड लेकर चल रही है। अभी तक भाजपा को कुल 284357 वोट मिले तो वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार फुंडेलाल सिंह को 123535 वोट मिले हैं। इनके अलावा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अनिल सिंह धुर्वे को 16596, बहुजन समाज पार्टी के धनीराम धुर्वे को 10990, कामयुनिष्ट पार्टी श्ध्द इंडिया के समर शाह सिंह को 8884, निर्दलीय केशलकली बैगा को 4361, गुंजन सिंह को 3393, अमृत लाल सिंह को 2134, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के रविकरण सिंह धुर्वे को 2073, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राष्ट्रीय पार्टी की डॉक्टर दुर्गावती को 1595 और नोटा को 8581 वोट मिले हैं।

उज्जैन आलोट लोकसभा सीट के द्वितीय राउंड तक परिणाम

उज्जैन आलोट लोकसभा सीट के द्वितीय राउंड तक परिणाम जारी हो चुका है, जिसमें भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया को 88125 तो कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार 48775 को मत मिले हैं।

भोपाल में शुरू हुआ जीत का जश्न

बीजेपी सांसद प्रत्याशी आलोक शर्मा की ऐतिहासिक जीत को लेकर कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग लगाए हैं। रेत घाट पर हवा में भगवा बैलून लहरा रहा है। वहीं शाम 5 बजे अटल बिहारी की प्रतिमा से लेकर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक भव्य जुलूस निकलेगा।

यूपी, राजस्थान और बंगाल में भाजपा को झटका, महाराष्ट्र में कांटे की टक्कर

भाजपा अपने दम पर बहुमत से बहुत पीछे, बन सकती है NDA की सरकार

24 साल में जो कभी नहीं हुआ वो अब होगा?

रुझानों में बीजेपी ने यहां खिला दिया कमल

लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना जारी है। अगले पांच साल देश में किसकी सरकार होगी, ये साफ हो जाएगा। ओडिशा में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों में बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। रुझानों के मुताबिक, बीजेपी यहां सरकार बनाती दिख रही है। वहीं, 24 साल से राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की छुट्टी होती दिख रही है। ओडिशा में 147 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए थे। बीजेपी यहां 75 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) 57 सीटों पर आगे चल रही है।

इंदौर में रिकॉर्ड जीत की ओर शंकर

NOTA पर एक लाख से अधिक वोट

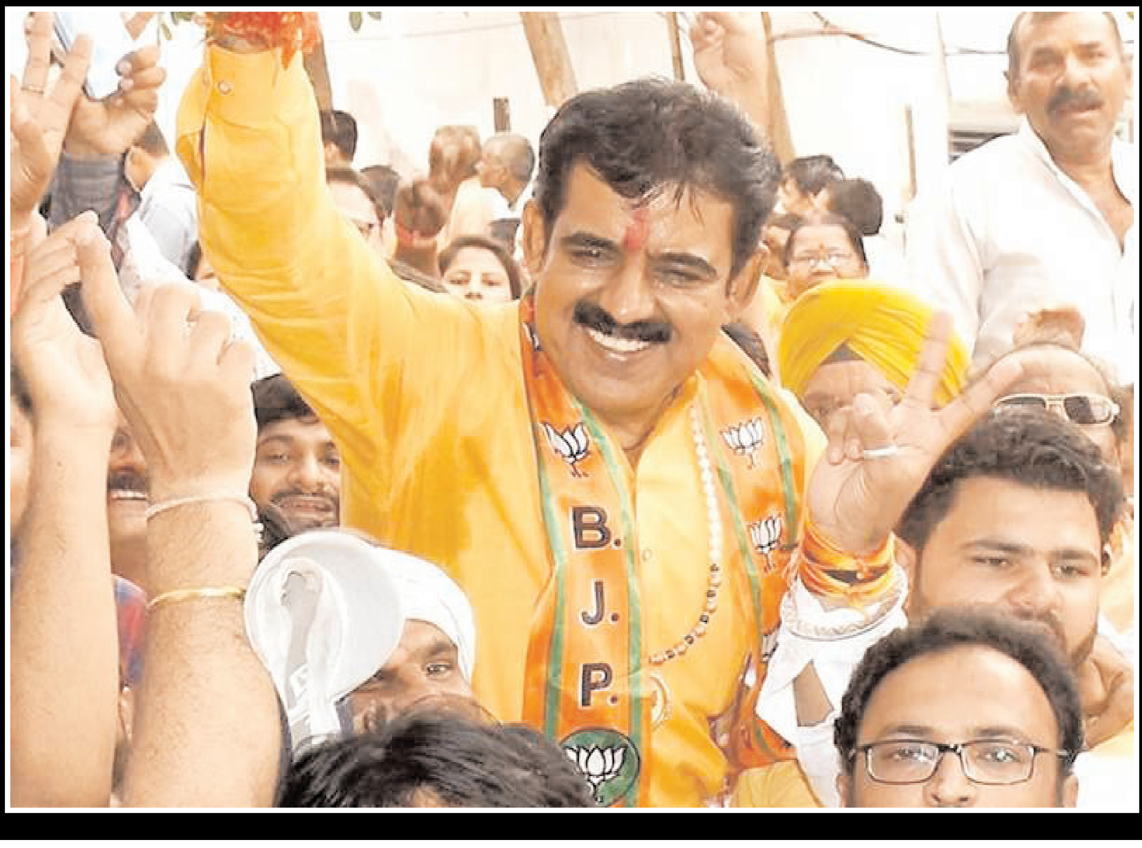

मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीट भी शामिल है। इन सीटों पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच रहा। इंदौर सीट उस समय देशभर में चर्चा का विषय बनी थी, जब कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नाम वापस लेने की तारीख निकलने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था। इस तरह इस सीट पर कांग्रेस की चुनौती खत्म हो गई थी।

मप्र में सभी सीटों पर भाजपा उम्मीदवार आगे, हाथ से जा रही छिंदवाड़ा सीट भी, शिवराज 4 लाख वोटों से आगे

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा की 29 सीटों पर वोटों की गिनती चल रही है। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 28 सीट पर जीत दर्ज की थी। छिंदवाड़ा सीट जीतकर कांग्रेस ने भाजपा को क्लीन स्वीप से रोका था। एग्जिट पोल में भाजपा के इस बार क्लीन स्वीप का अनुमान लगाया गया था। इस बार भाजपा मप्र में क्लीन स्वीप की ओर बढ़ रही है।

सागर में लता की लीड 2 लाख के पार

सागर लोकसभा क्षेत्र में अब तक वोटों की गिनती में भाजपा प्रत्याशी डॉ. लता वाानखेड़े 2 लाख 19 हजार 113 मतों से आगे हैं। लता वानखेड़े को 375957 मत मिले हैं। वहीं चंद्रभूषण सिंह बुंदेला गुड्डू राजा को 156844 मत मिले हैं।

साध्वी प्रज्ञा सिंह की प्रतिक्रिया

भोपाल में भाजपा नेता साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा कि हम तीसरी बार सरकार बना रहे हैं। रुझान भाजपा के पक्ष में हैं। नतीजे भी भाजपा के पक्ष में होंगे। भाजपा सरकार के 10 साल के शासन के आधार पर जनता ने फिर भाजपा को चुना है।

छिंदवाड़ा में ढह रहा कांग्रेस का किला

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस करारी पराजय की ओर बढ़ रही है। यहां 40 वर्ष का रिकॉर्ड टूटने जा रहा है। भाजपा उम्?मीदवार विवेक बंटी साहू ने छठे राउंड के बाद कांग्रेस उम्मीदवार नकुल नाथ पर 55 हजार से अधिक मतों की बढ़त बना ली है।

सिंगल कॉलम

निगम कमिश्नर ने किया शहर के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण

इंदौर। नगर निगम कमिश्नर ने विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। प्रगति नगर में बन रहे नए जोनल कार्यालय का बचा हुआ काम 15 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा द्वारा सोमवार सुबह शहर में चल रहे विकास कार्यों और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया गया। कमिश्नर ने शिवम वर्मा ने सुबह रीगल चौराहे से मधु मिलन चौराहा तक सड़क सौंदर्यीकरण कार्य देखा। बचे हुए काम को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं अग्रसेन चौराहा से तीन इमली चौराहा तक सड़क सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण कर फुटपाथ आदि कामों के बारे में जानकारी ली। अहिल्या नगर में निमार्णाधीन संजीवनी क्लीनिक का भी निरीक्षण किया। इसके बाद कमिश्नर ने गोपुर चौराहा के विकास का. 'और सौंदर्यकरण कार्यों की जानकारी ली। प्रगति नगर में नए जोनल कार्यालय के निर्माण कार्य का भी अवलोकन कर बचे हुए काम 15 दिन में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बदमाशों ने लगाई गाड़ियों में आग:सीसीटीवी में दिखे आग लगाने वाले बदमाश

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा इलाके में बदमाशों ने घर के बाहर बरामदे में खड़ी बाइक और स्कूटी में दो बदमाशों ने आग लगा दी। परिवार की महिला की नींद खुली तो उसने तुरंत दोनों बेटों को नींद से जगाया। बाहर निकलकर पड़ोसियों को भी बुलाया। सभी मिलकर आग पर काबू किया। पुलिस ने मामले में आगजनी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक सब्जी बेचने वाली महिला कृष्णा ने बताया कि रविवार देर रात 2 बजे वह मंडी जाने के लिये उठी तब उन्हें बाहर आग दिखाई दी। दरवाजा खोला तो बरामदे में खड़ी हुई बाइक और एक्टिवा जल रही थी। दोनों बेटे अंकित और अमन को उठाया फिर बाहर आकर पड़ोसियों को भी उठाया। सभी ने मिलकर आग बुझाई। कृष्णा ने बताया कि सीसीटीवी में अप्पू कराड़िया और उसका साथी गाड़ियों में आग लगाते हुए दिखाई दिए हैं।

नाबालिग को किरायेदार ने चाकू मारकर घायल कर दिया

इंदौर। पंढरीनाथ में अपनी बुआ के यहां मोबाइल लेने पहुंचे 17 साल के एक नाबालिग को किरायेदार ने चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में किराएदार पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आवेश खान निवासी कबूतर खाना ने बताया कि वह बंबई बाजार में अपनी बुआ के यहां पर मोबाइल लेने पहुंचा था। सीढ़ियों से नीचे आते समय उसे गौरव ने रोका और कहा कि माचिस लाकर दे दे। इस पर आवेश ने इनकार किया तब गौरव ने चाकू आवेश के पैर मार दिया। बाद में आरोपी धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है।

डॉक्टर पति ने मांगा एक करोड़ का दहेज

इंदौर। इंदौर के तुकोगंज में रहने वाली एक डॉक्टर बहू की शिकायत पर पुलिस ने डॉक्टर पति, सास, ससुर और देवर पर 1 करोड़ रुपए दहेज मांगने का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की शादी 2 साल पहले केरल में हुई थी। इसके बाद से सभी दहेज को लेकर परेशान कर रहे थे। तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डॉ. शिखा दुग्गड़ की शिकायत पर पुलिस ने डॉ. लव दुग्गड निवासी कालीकट, केरला, डॉ. कुश, सास डॉ. अंजना और ससुर डॉ. राजेन्द्र के खिलाफ 1 करोड़ दहेज के मामले में केस दर्ज किया है। पेशे से डेंटिस्ट डॉ. शिखा ने पुलिस को शिकायत में बताया कि 13 जनवरी 2022 को उसकी शादी होटल वाटर लिली मे हुई। यहां दहेज में दो सोने के हार सेट, दो डायमंड सेट, तीन सोने की चेन, तीन सोने की पैंडल, दो सोने के कड़े, झुमकी, सोने के सिक्के, डायमंड रिंग, चांदी के आभूषण सहित करीब 25 लाख का सामान दिया। इसके साथ ही 15 लाख रुपए नगद दिए। शादी का पूरा खर्च भी मेरे मायके पक्ष के लोगों ने उठाया। पति पहले त्रिशूर में रहे। इसके बाद कालीकट ससुराल में रहने पहुंची। इसके बाद सास-ससुर पति को भड़काते थे। मुझसे कहते थे कि तू डॉक्टर है कम दहेज लेकर आई है। कम से कम दहेज में 1 करोड़ रुपए तो मिलना चाहिए थे। इसके बाद छोटी-छोटी बातों को लेकर प्रताड़ित करते। घर की नौकरानी और अन्य लोगों के सामने भी ताना कशी करते। मैं क्लिनिक पर जाती तो वहां मुझे जो भी इनकम होती वो निकालकर ले जाते। सास-ससुर कहते कि पति लव के लिये बड़ा डायग्नोस्टिक सेंटर खोलना है। घर से मां से 1 करोड़ लेकर आना पड़ो। डॉक्टर शिखा ने उन्हें समझाया कि मां की आर्थिक हालात ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने कहा कि संपत्ति में अपना हिस्सा मांग लो। सास ने कहा कि लव को डॉक्टर बनाने में इतने रुपए खर्च हुए हैं। अब पैसा कमाने के दिन हैं। अगर रुपए नहीं ला सकती तो तलाक ले लो।

इंदौर में हुई झमाझम बारिश, तापमान गिरने से लोगों को मिली राहत

सिटी चीफ इंदौर। इसबार मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी। नौतपा में इंदौर शहर भी तपा, लेकिन, अब भीषण गर्मी के बाद सूरज के तेवर थोड़े नरम हो गए हैं। इंदौर में सोमवार सुबह से ही बादल छाए रहने के कारण लोगों को तीखी गर्मी से राहत मिली। दोपहर बाद ही कुछ इलाकों में बारिश हुई। बाईपास, जयरामपुर कॉलोनी, सपना संगीता से लेकर द्वारकापुरी तक शहर के कई इलाकों में दोपहर 2 बजे बाद तेज बारिश देखी गई। वहीं तेज हवा के साथ कुछ इलाकों में बूंदाबांदी ही हुई। इंदौर में बीते तीन दिन का तापमान 40 डिग्री रहा. बीते 24 घंटों में दिन-रात के तापमान में हल्की गिरावट भी आई है। सोमवार सुबह बादल छाए. मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। वहीं, इस सीजन में नौतपा के बाद पहली बार प्रदेश के 8 शहरों का तापमान 40 डिग्री के नीचे आया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में 34.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 38 डिग्री,

मंडला में 38.2 डिग्री, सिवनी में 38.2 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.6 डिग्री, बैतूल में पारा 38.7 डिग्री और जबलपुर में 39.5 डिग्री दर्ज किया गया।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

दतिया, छतरपुर, टीकमगढ़, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, नर्मदा पुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, देवास, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिंगरौली, सीधी, उमरिया, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, दमोह, सागर और पांढुर्णा जिले में बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सीहोर, अशोकनगर, शिवपुरी, भोपाल, विदिशा, रायसेन और पन्ना जिलों में हल्की बारिश का येलो अलर्ट है।

इन शहरों में लू अलर्ट

प्रदेश के कुछ जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कुछ जिलों में लू चलने और गर्म रात रहने की भी चेतावनी है। निवाड़ी जिले में तीव्र लू चल सकती है, यहां गर्म रात भी रह सकती है। इसके अलावा दतिया, भिंड, मुरैना, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर, सिंगरौली, सीधी, उमरिया, छतरपुर, टीकमगढ़, ग्वालियर, अनूपपुर, शहडोल और डिंडोरी में लू चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कैलाश विजयवर्गीय बोले-

51 लाख पोधे लगाने हैं, इसमें कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं होगा

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी को कम करने के लिए शहर में 51 लाख पैड लगाने की मुहिम शुरू की गई है। इसके लिए लगातार बैठको का दौर जारी है,सूबे के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव शहर के हर वर्ग के साथ बैठक कर रहे है । इस कार्य को सफल बनाने का प्रयास कर रहे है इसी क्रम में आज स्मार्ट सिटी कार्यालय पर पर्यावरण विद् सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले नागरिकों के साथ बैठक की गई ।बैठक में इंदौर के प्रबुद्ध पर्यावरण विद् के साथ राज्य शासन में केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव एम आई सी सदस्य राजेंद्र राठौड़ अभिषेक शर्मा बबलू सहित स्मार्ट सिटी से दिव्यांग सिंह सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे । महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण कि दृष्टि से वेसे तो इंदौर में बहुत काम हुए है लेकिन अब कुछ बड़ा और स्थाई करने का समय है जिससे हम अपनी आने वाली पीढ़ी को हरा भरा इंदौर दे सकें, जिसकी प्रेरणा हमे मिली है इसको संकल्प बनाना हमारा काम है जो हम कर सकते है। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संबोधित करते हुए कहा कि शहर को पैड की अवशायकता

है,ये किसी को बताने की जरूरत नहीं है हमें अपने पूर्वजों की चीजों को वापस लौटना है ,अपने के अनुभव का लाभ शहर को मिलना चाहिए ।यह सिर्फ़ इस साल का कार्यक्रम में नहीं है बल्कि इसको संस्कारों में डालना है जिसकी शुरूआत बच्चों से की जा सकती है इस दिशा में भी हमे काम करना है विजयवर्गीय ने कहा कि मुझे सबने कहा कि सर ये बड़ा टारगेट है कैसे पूरा होगा लेकिन यह तय है कि 51 लाख पोधे लगाने है इसमें कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं होगा ।ज्ञात हो कि इसकी विधिवत शुरूआत पर्यावरण दिवस पर शुरू की जाएगी वहीं जुलाई के दूसरे सप्ताह के किसी एक दिन को तय कर के पूरे शहर के साथ पौधा रोपण का कार्य किया जाएगा।

बैठक में सम्मिलित होने वाले प्रबुद्धजनः बैठक में एस एल गर्ग (शिक्षाविद/ पर्यावरण विद्),अमरीश केला, मनीष जोशी, सुष्मित व्यास, डॉ आशीष सोनी, डॉ प्रियंका सोनी, अर्चना दुबे, मिताली शर्मा,रणवीर सिंह खनुजा, सुनील व्यास, दिलीप पाटिदार, संदीप खानविलकर, रवि गुप्ता और ओम माहेश्वरी मौजूद रहे।

डीएचएल इन्फ्राबुल्स की कामयाबी के चौदह वर्ष

सिटी चीफ इंदौर। डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड जो की रियल एस्टेट में काम करते हुए चौदह वर्ष पूर्ण कर लिए है । कंपनी ने इंदौर में वर्ष 2010 में शुरूआत के बाद मध्य प्रदेश में भोपाल, धार, देवास, महाराष्ट्र के नागपुर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में स्थापित है । दो जून को इंदौर शहर के होटल साया जी में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे सभी शहरों के कर्मचारी, सेल्स टीम के सदस्य, डायरेक्टर सेल्स, वाइस प्रेसिडेंट, डीएचएल समूह के चेयरमैन सन्तोष कुमार सिंह, वाइस चेयरमैंन संजीव जायसवाल, डायरेक्टर अनिरुद्ध देव आदि उपस्थित रहे । डीएचएल इन्फ्राबुल्स समूह के चेयरमैंन सन्तोष सिंह ने बताया कि डीएचएल के सभी प्रोजेक्ट और डीएचएल इंफ्राबुल्स की कार्यशैली को ग्राहक ने हमेशा भरोसा जताया है और पिछले वर्षों में हमने पंद्रह हजार से ज्यादा ग्राहकों का भरोसा जीता है । हमारी यह विशेषता है कि समूह के सभी प्रोजेक्ट पूर्ण रूप से लीगल होता है और साथ ही क्यों की यह शहर से बाहर होने की वजह से आम आदमी भी अपने भविष्य के लिए कम कीमत में रियल इस्टेट में प्रॉपर्टी निवेश कर पाता है । सन्तोष सिंह ने बताया कि सभी प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है । सन्तोष सिंह ने बताया कि समूह नागपुर की टाउनशिप सिंगापुर लाइफ सिटी में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में एक मेर्लियन द क्लब प्रारंभ करने जा रहा है जिसका लाभ क्लब के मेंबर ले सकेंगे और यह क्लब भारत के सभी क्लब से एसोसियेट होने की संभावना है । क्लब पूर्ण रूप से तैयार होने को है जल्द क्लब की मेम्बरशिप प्रारंभ की जा रही है । नागपुर के बाद इस कॉन्सेप्ट को इंदौर भोपाल लखनऊ जैसे अन्य शहर में भी क्लब की स्थापना करने का प्रयास रहेगा । सन्तोष सिंह ने कार्यक्रम में अपने सभी ग्राहक, सभी वेंडर, सप्लायर और सभी मीडिया समूह का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की है कि डीएचएल इंफ्राबुल्स समूह को आप सभी का साथ, सहयोग एवं सलाह सदैव प्राप्त होती रहेगी । कार्यक्रम में पिछले वर्ष के अनेक अचीवर्स की सम्मानित किया गया । प्रमुख रूप से जयकांत त्रिपाठी, मनोज गुप्ता, फतेह गुप्ता, दिनेश टेलर, हेमंत पटेल, संजीत पांडेय, कपिल जोशी, लग्नेश गुप्ता, विजय नारायण सिंह, राजेश वर्मा, उमेश गुप्ता, पंकज चौहान आदि अनेक लोग सम्मानित किए गए ।

आजाद नगर में दो बच्चों की मां से रेप, पति ने घर से बाहर निकाल दिया

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में दो बच्चों की मां से रेप का मामला सामने आया है। शादी में पहचान होने क बाद आरोपी ने उसके साथ रेप किया। पति ने इस कारण से घर से भी बाहर निकाल दिया।आजाद नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 30 साल की महिला की शिकायत पर शाहरुख पुत्र रईस पठान पर रेप का केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि उसकी शादी को 16 साल हो गए। शादी के बाद दो बच्चे हैं। परिवार की शादी में शाहरुख से पहचान हुई।दोनों मोबाइल पर बात करते थे। इसके बाद आरोपी ने शादी की बात की। चार माह पहले पति को यह बात पता लगी। उन्होंने घर से निकाला तो शाहरुख ने इंदौर बुलाकर आजाद में कमरा किराये पर दिलाया। यहां डेढ़ माह तक रेप किया और छोड़कर भाग गया। बाद में उससे बात की तो उसने शादी की बात से इनकार कर दिया। इस मामले में सतवास (खंडवा) पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने शून्य पर केस दर्ज कर केस आजाद नगर पुलिस को सौंपा है।

कैटरिंग कर्मचारी युवती से रेप

उधर, मल्हारगंज इलाके से अप्रैल माह में लापता हुई एक 22 साल की कैटरिंग कर्मचारी युवती से रेप के मामले में पुलिस ने कैटरिंग मैनेजर अरुण परमार और उसके मकान मालिक हेमंत जैन पर रेप का केस दर्ज किया है। युवती को रुपए देने की बात कर अरुण अपने कमरे पर ले गया। मकान मालिक से मिलाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर दूसरी जगह शादी करवाने की बात करते हुए फर्जी आधार कार्ड बनवा दिया। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों पर कार्रवाई की है। वहीं लसूड़िया पुलिस के शादीशुदा महिला की शिकायत पर दीपक पुत्र रामकिशोर रावत निवासी आजाद नगर उत्तर प्रदेश के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। आरोपी ने 28 मई को पीड़िता का सब्जी लेने के दौरान मोबाइल ले लिया और उसे देने की बात पर होटल हनी ब्लू ले गया। यहां मारपीट कर पीड़िता के साथ रेप किया।

सिपाही की ड्यूटी के दौरान गर्मी से हुई मौत राजकीय सम्मान के साथ सिपाही का अंतिम संस्कार किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर – सहारनपुर जनपद के झबीरण गांव निवासी एक सिपाही की लखनऊ में ड्यूटी के दौरान गर्मी से मौत हो गई है। आज सुबह सिपाही का शव गांव लाया गया। जहां राजकीय सम्मान के साथ सिपाही का अंतिम संस्कार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के थाना सरसावा क्षेत्र के गांव झबीरण निवासी सिपाही आदेश कुमार की लखनऊ में ड्यूटी के दौरान गर्मी से मौत हो गई। आज सुबह शव को गांव में लाया गया। आदेश करीब छह साल पहले पीएसी में भर्ती हुआ था। झबीरण के रहने वाले नरेंद्र प्रजापति का पुत्र आदेश कुमार (34) 2018-19 से मुरादाबाद की 23 वाहिनी पीएसी में तैनात था।

पिछले कुछ दिनों से उसकी ड्यूटी लखनऊ में चल रही था। इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है, जो एक के एक बाद जिंदगी लील रही। आदेश भी गर्मी का शिकार हुए। एक जून को आदेश की किसी जनप्रतिनिधि के यहां ड्यूटी लगी थी।भीषण गर्मी के चलते आदेश अचानक चक्कर आकर गिर गया। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ और उसकी मौत हो गई। उसी के गांव निवासी अक्षय और उपदेश ने घर फोन कर जानकारी दी। इसके बाद परिजन लखनऊ पहुंचे। जहां से आज सुबह उसके शव को गांव लाया गया। जहां राजकीय सम्मान के साथ सिपाही का अंतिम संस्कार किया गया।

पेपर लीककांड के बाद यूनिवर्सिटी अफसरों के विभाग बदले

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर की देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में एमबीए परीक्षा पेपर लीक घटनाक्रम के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल किया है।

उपकुलसचिव रचना ठाकुर से परीक्षा और गोपनीय विभाग का प्रभार वापस लिया गया है। उनकी जगह उपकुलसचिव प्रज्जवल खरे को परीक्षा और गोपनीय विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। खरे इसके साथ भंडार विभाग का काम भी देखेंगे। रचना ठाकुर को प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह सहायक कुलसचिव वीना गुप्ता को गोपनीय विभाग से पीएचडी सेल और सहायक कुलसचिव प्रतिभा बघेल को पीएचडी सेल से गोपनीय विभाग भेजा है। बता दें एमबीए एग्जाम का पेपर एक दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। लगातार तीन पेपर परीक्षा के पहले आउट हुए। इसे लेकर एबीवीपी सहित कई छात्र संगठन ने यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन किया, जिसके बाद कुलपति रेणु जैन ने एक जांच कमेटी गठित की और क्राइम ब्रांच में केस भी दर्ज करवाया। लेकिन मामले में परीक्षा प्रभारी को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे। आखिरकार सोमवार को कुलसचिव ने विभाग बदल दिए।

अब धारा-52 लगने की अटकलें

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. रेणु जैन का कार्यकाल खत्म होने में अभी तीन माह का समय बचा है, लेकिन उससे ठीक पहले धारा 52 को लेकर कवायद शुरू हो गई है। इस मामले में उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार का एक वीडियो रविवार को वायरल हुआ। इसमें वे एबीवीपी के भोपाल में हुए प्रदर्शन के दौरान कहते दिख रहे हैं कि वहां भी (इंदौर डीएवीवी में) हम धारा-52 लगाने का पूरा प्रयास करेंगे। हालांकि यह घटनाक्रम शनिवार का है, लेकिन रविवार को तेजी से इंदौर में विभिन्न ग्रुप में वायरल हुआ है। दरअसल, यूनिवर्सिटी में एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर के दो परचे आउट होने के मामले में एबीवीपी ने चार दिन पहले कुलपति डॉ. रेणु जैन को ज्ञापन सौंपकर संबंधित डिप्टी रजिस्ट्रार को जांच पूरी होने तक हटाने की मांग की थी। डिप्टी रजिस्ट्रार को नहीं हटाने की बात कहते हुए कुलपति ने मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का उदाहरण दे दिया था। उसी के बाद नाराज एबीवीपी ने कुलपति को ही हटाने की मुहिम शुरू करने की तैयारी कर ली थी। इधर, मामले में कुलपति चयन कमेटी के पूर्व सदस्य अजय चौरड़िया ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पेपर लीक मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

राजगढ़ में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 13 मरे, सतना में 4 की गई जान

प्रदेश में दो सड़क हादसों में 17 की मौत

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश में रविवार रात दो सड़क हादसों में 17 लोगों की मौत हो गई। इनमें राजगढ़ जिले में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 13 लोगों की दबकर मौत हो गई, जबकि सतना में नेशनल हाईवे पर हुए हादसे में कार सवार चार लोगों की जान चली गई। प्रदेश के राजगढ़ जिले में छान छगोड़ा के जंगल में रविवार रात एक ट्रैक्टर ट्राली पलट गई, जिसमें दबकर 13 लोगों की मौत हो गई है। कुछ लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा राजस्थान राज्य की सीमा से सटे मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में हुआ। हादसे पर सीएम मोहन यादव ने शोक जताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन राजस्थान सरकार के संपर्क में है। राजगढ़ जिले में यह हादसा रात्रि में लगभग नौ बजे हुआ। बताया जाता है कि मोतीपुरा गांव से एक बारात ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर कमालपुरा गांव जा रही थी। ट्रैक्टर-ट्राली छान छगोड़ा के जंगल में बेकाबू होकर पलट गई। इससे

ट्राली में सवार 13 लोगों की मृत्यु हो गई। हादसे में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को राजगढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया है।

हादसे में जान गंवाने वाले बाराती
राजगढ़ जिले के डीएम हर्ष दीक्षित ने बताया कि राजस्थान से कुछ लोग ट्रैक्टर ट्राली पर बैठकर शादी में शामिल होने के लिए आ रहे थे। राजस्थान-राजगढ़ सीमा के पास ट्रैक्टर पलट गया। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। हादसा राजगढ़ जिले के पिपलोधीजाद में हुआ। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। राजगढ़ कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने बताया कि घायलों में से 15 को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर है। उनको सिर और सीने में चोट लगी है। हालांकि इनकी हालत खतरे से बाहर बताई जाती है। दोनों को बेहतर उपचार के लिए भोपाल ले जाया गया है। अब मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना नहीं है।

राजस्थान से आई थी बारात
स्थानीय निवासियों ने बताया कि पीड़ित पड़ोसी राज्य राजस्थान से आई एक बारात के बाराती थे। कलेक्टर हर्ष दीक्षित और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे दबे लोगों को निकलवाया। ट्रैक्टर-ट्राली में कितने लोग सवार थे, इस बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

सीएम ने जताया शोक
मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया। सीएम ने एक्स पर लिखा- राजगढ़ जिले के पीपलोदी रोड पर एक ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से 13 लोगों की असमय मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। ये लोग राजस्थान के झालावाड़ जिले के रहने वाले थे। हम राजस्थान सरकार के संपर्क में हैं। राजस्थान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगत लोगों की पुण्यात्माओं को अपने चरणों में स्थान दें। शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के जल्द स्वास्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं।

भोपाल में हल्की हवा में गिरी पेड़ की डाल, दो की मौत

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी भोपाल में सोमवार दोपहर हल्की हवा में एक पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है, वहीं कई दो पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घटना 10 नंबर मार्केट की है। जानकारी के अनुसार 10 नंबर मार्केट में एक यूके लिप्टस का बड़ा पेड है। पेड़ के नीचे गन्ने की चरखी वर्षों से लग रही है। दोपहर में पेड़ की एक मोटी डाल हल्की हवा में टूटकर नीचे गिर गई। डाल के नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान शाम को दम तोड़ दिया। हबीबबगंज पुलिस के अनुसार सेकंड स्टॉप निवासी 47 वर्षीय नर्मदा प्रसाद पेड़ की छाव में गन्ने की चरखी चलाते थे, जबकि पंचशील नगर निवासी लेबर ठेकेदारी का कार्य करने वाले 50 वर्षीय अशोक अहिरवार जूस पीने के लिए वहां पहुंचे थे। पेड़ की

डाल गिरने से दोनों को गंभीर चोट लगी थी, जिससे अशोक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि नर्मदा प्रसाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ा है।

कई दुकान व वाहन क्षतिग्रस्त
स्थानीय लोगों ने बताया कि पेड़ की डाल गिरने से आसपास खड़ी कई दो पहिया वाहन क्षतिगस्त हुए हैं। डाल गिरने से आसपास की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। नर्मदा प्रसाद करीब 15 साल से उसी पेड़ के नीचे गन्ने की चरखी लगा रहा था। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम अगर समय पर पेड़ों की कटाई-छंटाई करता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। दो लोगों को अपनी जान नगर निगम की लापरवाही से गंवानी पड़ी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार को घेरा, दिग्विजय सिंह के बयान का किया समर्थन

पटवारी बोले- 2019 के बाद लोगों ने ज्यादा सही बेरोजगारी और महंगाई

सिटी चीफ भोपाल।
मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम से एक दिन पहले पीएससी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार को जमकर घेरा और कई आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने दिग्विजय सिंह द्वारा दिए गए बयान बीजेपी को 300 से ज्यादा सीट मिली तो जनता की नहीं ईवीएम की वोट होगी, का समर्थन करते नजर आए।

जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव बड़ा ही रोचक रहा, परंतु उसके बाद सबसे ज्यादा बेरोजगारी, सबसे ज्यादा महंगाई, सबसे ज्यादा कृषक यातना एवं सबसे ज्यादा परेशानियां इस देश के लोगों ने सही हैं। कोई भी ऐसा वर्ग नहीं है, जो इस सरकार से पीड़ित नहीं रहा हो। इस स्थिति के बाद का यह चुनाव है।

कांग्रेस के न्याय पत्र की चर्चा प्रधानमंत्री ने भी की
पटवारी ने कहा कि एक तरफ कांग्रेस का न्याय पत्र था, जिसकी चर्चा देश के प्रधानमंत्री सहित देश

के सभी नागरिक कर रहे थे, जिसमें बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था एवं किसानों के दर्द का समाधान था तथा पांच न्याय एवं 25 गारंटी के रूप में देश के नागरिकों की सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया गया था। परंतु देश के प्रधानमंत्री ने जो भाषा बोली, जिसमें अपमानजनक एवं धमकाने वाले शब्द थे तथा मांस, मछली मंगलसूत्र से लेकर मुजरे तक पहुंच जाना। इन शब्दों के द्वारा प्रधानमंत्री पद की गरिमा कम हुई है।

एक्जिट पोल को लेकर हमारा कार्यकर्ता हताश व निराश नहीं
पटवारी ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर कुछ कथित एक्जिट पोल भी सामने आए हैं, जिसमें कई सारी गफलतें हैं। आप सभी ने तथा जनता ने यह फीड बैक हमें दिया है कि हमने कई सीटों पर अच्छा चुनाव लड़ा। परंतु कथित एक्जिट पोल में यह नहीं दिखता है। हमें जनता एवं कांग्रेस के कार्यकताओं पर पूरा भरोसा है। मैं यह कह सकता हूं कि इन एक्जिट पोल को लेकर हमारा कार्यकर्ता हताश व निराश नहीं है।

सरकार महंगाई बढ़ाने की तैयारी कर रही तैयारी
पटवारी ने कहा कि आज प्रदेश में अभूतपूर्व अत्याचार सरकार कर रही है। आज यहां दलित, आदिवासी होना अभिशाप हो गया है और अब सरकार महंगाई बढ़ाने की तैयारी कर रही है। क्योंकि आरबीआई ने अब सरकार को कर्ज देने से मना कर दिया है। इस महंगाई का पूरा बोझ मप्र की जनता पर आएगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार अपनी आवाज को उठाती रहेगी, जिस तरीके से राहुल गांधी ने बिना डरे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आवाज उठायी है। उसी तरीके से कांग्रेस अपने विपक्ष के धर्म को मध्यप्रदेश में निभाती रहेगी। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तथा 295 से ज्यादा सीटें इंडिया गठबंधन को हासिल होंगी।

आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने दिल्ली में एनएमसी के अधिकारियों के साथ की बैठक

तीन मेडिकल कालेजों को सौ-सौ एमबीबीएस सीटों के लिए इसी सत्र से मिल सकती है मान्यता

सिटी चीफ भोपाल।
नीमच, सिवनी और मंदसौर में इसी सत्र से मेडिकल कालेज शुरू करने के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने दौड़-भाग तेज कर दी है। पहले तीनों जगह 150-150 सीटों में प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को आवेदन किया था, पर संसाधन पूरे नहीं होने के कारण अब सौ-सौ एमबीबीएस सीटों की अनुमति के लिए विभाग प्रयासरत है।

इस संबंध आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तरुण पिथौड़े और संचालक चिकित्सा शिक्षा एके श्रीवास्तव ने शुक्रवार को दिल्ली में एनएमसी के अधिकारियों के साथ बैठक की। उधर, फैकल्टी के बचे पदों की भर्ती शीघ्र शुरू होगी। आचार संहिता खत्म होने के बाद पुस्तकों की खरीदी होगी। बता दें कि अभी प्रदेश में 14 सरकारी कालेज संचालित हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में राजगढ़, सिंगरौली, श्योपुर, सिवनी, नीमच और मंदसौर में

कालेज शुरू करने की स्वीकृति दी थी। इनमें राजगढ़ छोड़ सभी कालेज 2024-25 से शुरू करने की तैयारी थी। भवन निर्माण पूरा नहीं होने के कारण सिंगरौली और श्योपुर को अगले वर्ष सत्र शुरू करने के लिए रखा गया। बाकी तीन कालेजों के लिए तैयारी की जा रही है।

इसी माह निरीक्षण के लिए आ सकता है एनएमसी का दल
एनएमसी का दल इसी माह नीमच, मंदसौर और सिवनी मेडिकल कालेज के निरीक्षण के लिए आ सकता है। इन कालेजों के भवन का काम लगभग पूरा हो गया है, पर आचार संहिता प्रभावी होने के कारण लाइब्रेरी के लिए पुस्तकों की खरीदी नहीं हो पाई है। बड़ी दिक्कत यह है कि तीनों कालेजों में अभी मापदंड से 50 प्रतिशत फैकल्टी ही हैं। एनएमसी इस पर आपत्ति कर सकती है, इसी कारण सीटों की संख्या 150 की जगह सौ की जा रही है। फैकल्टी के बचे पदों को भरने के लिए फिर से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है।

जल स्रोतों के संरक्षण के लिए 5 से 16 जून तक चलेगा विशेष अभियान

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश के सभी जिलों में जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए पांच जून से 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जल संरचनाओं से मिलने वाले गंदे पानी के नाले अथवा नालियों को डायवर्सन के बाद शोधित कर जल संरचना में छोड़ा जाएगा। चिन्हित जल संरचनाओं की मोबाइल एप से जियो टैगिंग भी की जाएगी। जल संरचनाओं के किनारे अतिक्रमण से बचाने एवं नदी तालाबों के कटावों को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव

ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण व संवर्धन के संबंध में जागरूकता के लिए पांच जून पर्यावरण दिवस से 16 जून गंगा दशहरा तक चलने वाले नमामि गंगे अभियान में प्रदेशवासियों से सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से नदी, तालाब, कुंए, बावड़ी की साफ-सफाई कर, जनसामान्य में जल के प्रति चेतना बढ़ाने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली जल चेतना संबंधित गतिविधियों का हिस्सा बनें और जल पर केंद्रित पर्वो से जुड़कर इनके पीछे छुपे रहस्यों को भी समझें।

सीएम की सुरक्षा में तैनात आरक्षक पर तलवार से हमला

सिटी चीफ भोपाल।
मुख्यमंत्री सुरक्षा (सीएम सिक्योरिटी) में तैनात एक आरक्षक वाहन चालक पर अज्ञात बदमाशों ने तलवार से हमला कर दिया। घटना उस वक्त हुई जब वह बच्चों के लिए आइसक्रीम खरीदकर घर लौट रहे थे। घर से करीब सौ मीटर दूर खड़े युवकों ने उन्हें रोका और गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से बाएं पैर पर हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में साधारण धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। घटना के बाद आरक्षक को सीएम सिक्योरिटी से हटाकर डीआरपी लाइन भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार संजय मालवीय (31) पुलिस

विभाग में आरक्षक हैं और शासकीय आवास कोटरा सुल्तानाबाद में रहते हैं। संजय मुख्यमंत्री की सिक्योरिटी में वाहन चालक थे। संजय का आरोप है कि इलाके में देर रात तक असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। उन्होंने कई बार पुलिस से इसकी शिकायत भी की, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। स्थानीय लोग अगर कोई विरोध करते हैं तो यह लड़के लोगों को डराते-धमकाते और मारपीट कर देते हैं। फिलहाल हमला करने वाले आरोपियों का पता नहीं चल पाया है।

115 दुकानों, दो स्कूल बिल्डिंग और पांच आफिस पर 26 साल तक एक ही अध्यक्ष काबिज

प्रदेशभर में वक्फ बोर्ड की संपत्ति की होगी जांच

सिटी चीफ भोपाल।
उज्जैन में वक्फ की संपत्ति पर काबिज तत्कालीन अध्यक्ष रियाज खान को वक्फ बोर्ड ने सात करोड़ 11 लाख का नोटिस दिया है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में वक्फ दरगाह मदार शाह साहब वाके मदार गेट, मय मस्जिद व कब्रिस्तान की 115 दुकानों, दो स्कूल बिल्डिंग और पांच आफिस पर 26 साल तक एक ही अध्यक्ष काबिज रहे।

मप्र वक्फ बोर्ड ने 2006-2007 से 2022-23 तक की राशि का हिसाब नहीं देने पर नोटिस जारी कर तत्कालीन अध्यक्ष खान से सात करोड़ 11 लाख रुपये की वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है। खान ने अपने कार्यकाल के दौरान वक्फ की परिसंपत्तियों के विकास योजनाओं के तहत मदार गेट पर दरगाह, मस्जिद और कब्रिस्तान की जमीन पर दुकानें, स्कूल भवन और आफिस बनाए, लेकिन इसकी सूचना न तो वक्फ बोर्ड को दी और न ही इन दुकानों आदि से होने वाले किराए की जानकारी दी।

वक्फ की संपत्ति के दुरुपयोग
बोर्ड ने रियाज खान के 26 साल के कार्यकाल की जांच करवाई जिसमें कई गड़बड़ियां सामने आईं। बोर्ड ने जांच के बाद पूर्व अध्यक्ष रियाज खान को नोटिस देकर जवाब मांगा था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब अंतिम नोटिस देकर वसूली की कार्यवाही के लिए बोर्ड प्रबंधन तैयारी कर रहा है। बोर्ड ने आखिरी नोटिस दिया, जिसमें रियाज को सुनवाई का एक मौका ओर दिया गया है। यदि सात दिन में वह जवाब नहीं देते हैं तो बोर्ड एक पक्षीय कार्रवाई करेगा। इसी तरह सागर के बीना में भी वक्फ की संपत्ति के दुरुपयोग को लेकर एक करोड़ 84 लाख रुपये की आरआरसी (रेवेन्यू रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी किया गया है।

मसाजिद कमेटी भोपाल में भी लाखों रुपये की आर्थिक गड़बड़ी आई सामने
मसाजिद कमेटी भोपाल में भी लाखों रुपये की

आर्थिक गड़बड़ी जांच में सामने आई है। मप्र पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मसाजिद कमेटी के वित्तीय अभिलेखों, केश खातों एवं अन्य संबंधित वित्तीय अभिलेखों की जांच में पाया कि कमेटी के प्रभारी सचिव रहते यासिर अराफात द्वारा को वित्तीय अधिकार प्रदान नहीं किए गए थे। बावजूद इसके उन्होंने स्वयं-मू निर्णय लेकर नियम विरूद्ध एवं अवैधानिक रूप से वित्तीय व्यवहार किए।

इनका कहना है
वक्फ की संपत्ति परोपकार के कार्य के लिए दान की हुई है, लेकिन कुछ लोग इसमें स्वयंभू बनकर बैठ गए हैं, दुकानें बनाकर किराया वसूला जा रहा है, इसका न तो कोई रिकार्ड है और न ही बोर्ड को इससे सूचित किया गया है न ही अनुमति ली गई है। हम पूरे प्रदेश की वक्फ की संपत्ति की जांच करा रहे हैं और जहां गड़बड़ी मिल रही है तो नोटिस भेजकर जवाब मांगा जा रहा है। चोरियां पकड़ में आ रही है। वक्फ की संपत्ति की चोरी करने वालों के विरूद्ध बोर्ड के एक्ट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।
सनवर पटेल, अध्यक्ष मप्र वक्फ बोर्ड

सामप्रदकीय

जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी का मौका

यदि प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार पदासीन होते हैं, तो वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को भी 2014, 2019 के बाद लगातार तीसरी बार, अपने ही बूते, लोकसभा में बहुमत हासिल हो सकता है। बहरहाल अधिकृत जनादेश 4 जून को घोषित किया जाना है, लेकिन ये विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल के चुनावी निष्कर्ष हैं।

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो सकते हैं। आम चुनाव, 2024 में भाजपा-एनडीए की शानदार और प्रचंड जीत भी लगभग तय है। वे 400 पार का लक्ष्य भी लांघ सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी मंत्र भी सार्थक और साकार हो सकता है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश में भगवा गठबंधन का खाता खुल सकता है। कर्नाटक की चुनावी उपलब्धि यथावत रहेगी, जबकि दक्षिण के ही तेलंगाना राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर सकती है। जो जनादेश अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक हो सकते हैं, वे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के हो सकते हैं। दोनों राज्यों में भाजपा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को पराजित करती लग रही है। दोनों नेता अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री भी हैं। यकीनन ये ऐतिहासिक उपलब्धियां होंगी। यदि प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार पदासीन होते हैं, तो वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को भी 2014, 2019 के बाद लगातार तीसरी बार, अपने ही बूते, लोकसभा में बहुमत हासिल हो सकता है। बहरहाल अधिकृत जनादेश 4 जून को घोषित किया जाना है, लेकिन ये विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल के चुनावी निष्कर्ष हैं। एग्जिट पोल सर्वे की वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसका पश्चिमी और यूरोपीय देशों में सामान्य चलन और महत्वपूर्ण प्रभाव है।

अलबत्ता भारत में एग्जिट पोल की प्रक्रिया अपेक्षाकृत नई और सवालिया है। कई एग्जिट पोल हमने नाकाम और गलत होते देखे हैं, लेकिन ऐसे बहुत से चुनावी सर्वेक्षण सटीक और सफल भी रहे हैं। 18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में जो मतदान कराए गए, ये चुनावी अनुमान और आकलन भावी जनादेश के संकेत भर हैं। अधिकांश एग्जिट पोल का रुझान या जनादेश की सोच एक ही दिशा की ओर संकेत कर रहे हैं कि भाजपा को 320-330 सीटें हासिल हो सकती हैं। तीन-चार पोल में भाजपा-एनडीए की सीटें 400 पार जाती लग रही हैं। सबसे गौरतलब यह हो सकता है कि केरल, तमिलनाडु में उन्हें 22-27 फीसदी वोट मिल सकते हैं, नतीजतन दोनों राज्यों में 2-4 सीट प्रति के परिणाम मिल सकते हैं। आंध्रप्रदेश में भी खाता खुलना लगभग तय है। यदि ऐसा हुआ, तो भाजपा दक्षिण में अभिशप्त और शून्य पार्टी नहीं रहेगी, बल्कि उसकी स्वीकार्यता राष्ट्रीय होगी। तेलंगाना में 4 सीट से 10-12 सीट तक का सफर तय करना भाजपा-एनडीए की एक दुर्लभ उपलब्धि है। वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ है, लेकिन संसदीय जनादेश मोदी-भाजपा के पक्ष में लग रहा है। दक्षिण से भी महत्वपूर्ण जीत बंगाल और ओडिशा की साबित हो सकती है। बंगाल में 45 फीसदी से ज्यादा वोट भाजपा को मिल सकते हैं, जबकि तृणमूल को 40 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ेगा। यह समीकरण 2019 के चुनाव से बिल्कुल उल्टा हो गया है।

भाजपा का बुनियादी वोट बैंक हिंदी पट्टी में रहा है, लेकिन उसके बिहार, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा सरीखे राज्यों में भाजपा-एनडीए की सीटें कम होने के अनुमान हैं, लेकिन गठबंधन विजेता ही रहेगा। गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली आदि राज्यों में भाजपा का हासिल 2019 की तरह शत-प्रतिशत रह सकता है। महाराष्ट्र के बारे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा था कि ब्रह्मा भी नहीं बता सकते कि महाराष्ट्र का जनादेश क्या रहेगा? यदि उसे ही आधार माना जाए, तो भाजपा-एनडीए की बीते कार्यकाल से लगभग 10 सीटें कम हो सकती हैं। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जनता दल-यू कमजोर कड़ी साबित हुआ है, लिहाजा इंडिया 7-10 सीटें जीत सकता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी मंत्र के दावे कामयाब होते लगते हैं, लिहाजा देश का मूड स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी गठबंधन इंडिया आखिर तक मुगालते में रहा कि उसके पक्ष में जनादेश कैसा रहेगा। अब एग्जिट पोल के निष्कर्ष सार्वजनिक होने के बाद ऐसी कुंठित टिप्पणियां सामने आ रही हैं कि 'भाजपा अडानी, अंबानी के स्वामित्व वाले 66 चैनलों के सहारे मनोवैज्ञानिक युद्ध लड़ रही है।' 'सर्वे करने वाले बौद्धिक बलात्कारी हैं।' 'यह कम्प्यूटर बाबा का कमाल है।' 'आप देख लेना, इंडिया की ही सरकार बनेगी।' कहने का भाव यह है कि विपक्ष इस एग्जिट पोल को कपोल कल्पना बता रहा है। उसे अब भी जीत की उम्मीद है। खड़गे कह रहे हैं कि इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिल रही हैं। राहुल ने भी यही शब्द दोहराए हैं। बहरहाल, हम तो 4 जून को भी देखेंगे और विश्लेषण करेंगे।

उपायः ताकि दूर हो पानी की किल्लत

शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, तो पानी उन्हें चलाने वाला एक बेहद जरूरी ईंधन। बढ़ती आबादी वतेज शहरीकरण ने स्वच्छ जल संसाधनों पर भारी दबाव डाला है। अब महानगरों से निकलने वाले अपशिष्ट या प्रयुक्त जल प्रबंधन (यूज्ड वाटर मैनेजमेंट) को मुख्यधारा में लाना एक आशाजनक विकल्प बन गया है। अभी भारत अपने शहरों से निकले कुल अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के सिर्फ 28 प्रतिशत हिस्से का शोधन करता है। 2021 में उपलब्ध शोधित अपशिष्ट जल का दैनिक बाजार मूल्य 63 करोड़ रुपये आंका गया था। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट ने पहला शहरी प्रयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक सामने रखा है। इसके माध्यम से प्रयुक्त जल प्रबंधन के मामले में 10 राज्यों के 503 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जहां प्रयुक्त जल के पुन- उपयोग की नीति लागू है। यह सूचकांक पांच विषयों-वित्त, बुनियादी ढांचा, कुशलता, प्रशासन, और आंकड़े व सूचना पर शहरी स्थानीय निकायों की एक तुलनात्मक रैंकिंग करता है। हमारा विश्लेषण बताता है कि शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के पानी की किल्लत का सामना करने वाले राज्यों ने प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए कुछ ठोस कदम उठाए हैं। इसकी वजह से सूचकांक में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इनमें हरियाणा शीर्ष पर है। इसके बाद कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और गुजरात हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले हरियाणा और कर्नाटक जैसे राज्य भी पांच अंकों में से सिर्फ क्रमश- 1.94 व 1.74 अंक ही पा सके। यह दर्शाता है कि पूरे देश में जल सुरक्षा पर उच्च प्राथमिकता के साथ काम करने की आवश्यकता है। शहरी निकायों में अपशिष्ट जल शोधन और उसके पुन- उपयोग की दिशा में पर्याप्त कदम उठाने की जरूरत है। जैसे, सूरत नगर निगम ने 2019 में शोधित अपशिष्ट जल के शोधन और पुन- उपयोग के लिए एक कार्य योजना अपनाई थी, जिसका लक्ष्य 2025 तक 70 प्रतिशत और 2030 तक 100 प्रतिशत पुन-उपयोग स्तर को पाना है।

कन्याकुमारी में साधना से निकले नए संकल्प...

वाकई, 2024 के चुनाव में कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस प्रथम लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणास्थली मेरठ से शुरू किया। मां भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी आखिरी सभा पंजाब के होशियारपुर में हुई। संत रविदास जी तपोभूमि, हमारे गुरुओं की भूमि पंजाब में आखिरी सभा होने का सौभाग्य भी बहुत विशेष है। इसके बाद मुझे कन्याकुमारी में भारत माता के चरणों में बैठने का अवसर मिला।

लोकतंत्र की जननी में लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व का एक पड़ाव आज 1 जून को पूरा हो रहा है। तीन दिन तक कन्याकुमारी में आध्यात्मिक यात्रा के बाद मैं दिल्ली जाने के लिए हवाई जहाज में आकर बैठा ही हूं...काशी और अनेक सीटों पर मतदान चल रहा है। कितने सारे अनुभव हैं, कितनी सारी अनुभूतियां हैं... मैं एक असीम ऊर्जा का प्रवाह स्वयं में महसूस कर रहा हूं।

वाकई, 2024 के चुनाव में कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस प्रथम लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणास्थली मेरठ से शुरू किया। मां भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी आखिरी सभा पंजाब के होशियारपुर में हुई। संत रविदास जी की तपोभूमि, हमारे गुरुओं की भूमि पंजाब में आखिरी सभा होने का सौभाग्य भी बहुत विशेष है। इसके बाद मुझे कन्याकुमारी में भारतमाता के चरणों में बैठने का अवसर मिला। उन शुरूआती पलों में चुनाव का कोलाहल मेरे मन-मस्तिष्क में गूंज रहा था। रैलियों में, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों के असीम प्रेम का वह ज्वार, उनका आशीर्वाद ...उनकी आंखों में मेरे लिए विश्वास, दुलार...मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। मेरी आंखें नम हो रही थीं...मैं शून्यता में जा रहा था, साधना में प्रवेश कर रहा था।

कुछ ही क्षणों में राजनीतिक वाद विवाद, वार-पलटवार...आरोपों के स्वर और शब्द, वह सब अपने आप शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गया...मेरा मन बाह्य जगत से पूरी तरह अलिप्त हो गया। इतने बड़े दायित्वों के बीच ऐसी साधना कठिन होती है, लेकिन कन्याकुमारी की भूमि और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा ने इसे सहज बना दिया। कन्याकुमारी के उगते सूर्य ने मेरे विचारों को नई ऊंचाई दी, सागर की विशालता ने मेरे विचारों को विस्तार दिया और क्षितिज के विस्तार ने ब्रह्मांड की गहराई में समाई एकात्मकता का निरंतर एहसास कराया। ऐसा लग रहा था, जैसे दशकों पहले हिमालय की गोद में किए गए चिंतन और अनुभव पुनर्जीवित हो रहे हों।

कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की पवित्र नदियां अलग-अलग समुद्रों में जाकर मिलती हैं और यहां उन समुद्रों का संगम होता है। और यहां एक और महान संगम दिखता है- भारत का वैचारिक संगम! यहां विवेकानंद शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुवल्लुवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामराजर मणि मंडपम हैं। भारत हजारों वर्षों से विचारों के अनुसंधान का केंद्र रहा है। हमने जो अर्जित किया, उसे कभी अपनी व्यक्तिगत पूंजी मानकर आर्थिक या भौतिक मापदंडों पर नहीं तौला। इसीलिए, इदं न मम यह भारत के चरित्र का सहज एवं स्वाभाविक हिस्सा हो गया है। भारत के कल्याण से विश्व का कल्याण, भारत की प्रगति से विश्व की प्रगति, इसका एक बड़ा उदाहरण हमारी आजादी का आंदोलन भी है। आज भारत का गवर्नेंस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बना है। सिर्फ 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना अभूतपूर्व है। प्रो-पीपल गुड गवर्नेंस जैसे अभिनव प्रयोग की आज विश्व में चर्चा हो रही है। भारत का डिजिटल इंडिया अभियान आज पूरे विश्व के लिए उदाहरण है कि हम कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल गरीबों को सशक्त करने, पारदर्शिता लाने, उनके अधिकार दिलाने में कर सकते हैं। भारत में सस्ता डाटा आज सूचना और सेवाओं तक गरीब की पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता का माध्यम बन रहा है।

आज भारत की प्रगति और भारत का उत्थान केवल भारत के लिए बड़ा अवसर नहीं है। ये सभी सहयात्री देशों के लिए भी एक ऐतिहासिक अवसर है। जी-20 की सफलता के बाद से विश्व भारत की इस भूमिका को और अधिक मुखर होकर स्वीकार कर रहा है। आज भारत को ग्लोबल साउथ की एक सशक्त आवाज के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। अब एक भी पल गंवाए बिना हमें बड़े दायित्वों और बड़े लक्ष्यों की दिशा में कदम उठाने होंगे। हमें नए स्वप्न देखने हैं और उन सपनों को जीना शुरू करना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों में युवा राष्ट्र के रूप में भारत का सामर्थ्य हमारे लिए एक ऐसा सुखद संयोग और सुअवसर है, जहां से हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना है।

21वीं सदी की दुनिया आज भारत की ओर बहुत आशाओं से देख रही है और वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए हमें कई बदलाव भी करने होंगे। भारत सुधार को केवल आर्थिक बदलावों तक सीमित नहीं रख सकते हैं। हमें जीवन के हर क्षेत्र में सुधार की दिशा में आगे बढ़ना होगा। हमें हर पल इस बात पर गर्व होना चाहिए कि ईश्वर ने हमें भारत भूमि में जन्म दिया है। ईश्वर ने हमें भारत की सेवा और इसकी शिखर यात्रा में हमारी भूमिका निभाने के लिए चुना है। हमें प्राचीन मूल्यों को आधुनिक स्वरूप में अपनाते हुए अपनी विरासत को आधुनिक ढंग से पुनर्परिभाषित करना होगा। हमें एक राष्ट्र के रूप में पुरानी पड़ चुकी सोच और मान्यताओं का परिमार्जन भी करना होगा। हमें हमारे समाज को पेशेवर निराशावादियों के दबाव से बाहर निकालना है। हमें याद रखना है, नकारात्मकता से मुक्ति, सफलता की सिद्धि तक पहुंचने के लिए पहली जड़ी-बूटी है। सकारात्मकता की गोद में ही सफलता पलती है।

हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, और इसके लिए ये जरूरी है कि हम भारत के अंतर्भूत सामर्थ्य को समझें। हमें भारत की शक्तियों को स्वीकार भी करना होगा, उन्हें पुष्ट भी करना होगा और विश्व हित में उनका सम्पूर्ण उपयोग भी करना होगा। आज की वैश्विक परिस्थितियों में युवा राष्ट्र के रूप में भारत का सामर्थ्य हमारे लिए एक ऐसा सुखद संयोग और सुअवसर है जहां से हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना है। हमें हर पल इस बात पर गर्व होना चाहिए कि ईश्वर ने हमें भारत भूमि में जन्म दिया है। ईश्वर ने हमें भारत की सेवा और इसकी शिखर यात्रा में हमारी भूमिका निभाने के लिए चुना है। हमें प्राचीन मूल्यों को आधुनिक स्वरूप में अपनाते हुये अपनी विरासत को आधुनिक ढंग से पुनर्परिभाषित करना होगा। हमें एक राष्ट्र के रूप में पुरानी पड़ चुकी सोच और मान्यताओं का परिमार्जन भी करना होगा।

भारत की अनंत और अमर शक्ति के प्रति मेरी आस्था, श्रद्धा और विश्वास भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मैंने पिछले 10 वर्षों में भारत के इस सामर्थ्य को और ज्यादा बढ़ते देखा है, ज्यादा अनुभव किया है। जिस तरह हमने 20वीं सदी के चौथे-पांचवें दशक को अपनी आजादी के लिए प्रयोग किया, उसी तरह 21वीं सदी के इन 25 वर्षों में हमें विकसित भारत की नींव रखनी है। स्वतंत्रता संग्राम के समय देशवासियों के सामने बलिदान का समय था। आज बलिदान का नहीं, निरंतर योगदान का समय है।

स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कहा था कि हमें अगले 50 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करने होंगे। उनके इस आह्वान के ठीक 50 वर्ष बाद 1947 में भारत आजाद हो गया। आज हमारे पास वैसा ही स्वर्णिम अवसर है। हम अगले 25 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करें। हमारे ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों और आने वाली शताब्दियों के लिए नए भारत की सुदृढ़ नींव बनकर अमर रहेंगे। मैं देश की ऊर्जा को देखकर यह कह सकता हूं कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। आइए, तेज कदमों से चलें... मिलकर चलें, भारत को विकसित बनाएं।

(यह लेख प्रधानमंत्री ने 1 जून की शाम कन्याकुमारी से दिल्ली लौटते हुए कलमबद्ध किया है)

विश्लेषणः नई सरकार का एजेंडा क्या हो? देश की बेहतरी के लिए बने उचित नीतियां

आज 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद एक नई सरकार अपना कार्यभार संभाल लेगी। आइए, चुनावी दौर की तल्ख बयानबाजी से थोड़ा अलग हटकर हम आर्थिक नीति के क्षेत्र में नई सरकार के महत्वाकांक्षी एजेंडे को निर्धारित करने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन भू-राजनीतिक कारणों से अब भी झटके लगने की आशंका एवं अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। एक मुक्त अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत इससे अछूता नहीं है। हालांकि मूडीज और एस एंड पी जैसी प्रतिष्ठित क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के अलावा, विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने भारत की विकास दर की तारीफ की है। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। इसलिए नई सरकार का व्यापक एजेंडा घरेलू और बाहरी क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय) के लिए उचित नीतियों के माध्यम से भारत की क्षमता को बेहतर बनाने में मददगार होना चाहिए। घरेलू क्षेत्र की नीतियों के तहत सरकार का ध्यान निजी निवेश बढ़ाने और सार्वजनिक कर्ज घटाने पर केंद्रित होना चाहिए। बाहरी क्षेत्र की नीतियों को उन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो व्यापार के खुलेपन पर प्रतिबंध लगाए बिना भारत के लिए वैश्विक झटकों के जोखिम को कम करे। अब हम कुछ ऐसे क्षेत्रों की चर्चा कर रहे हैं, जिन पर नई सरकार अपना ध्यान केंद्रित करना चाहेगी। भारत की राष्ट्रीय समृद्धि अलग-अलग राज्यों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। आर्थिक समृद्धि के लिए केंद्र सरकार का काम नीति एवं विश्वास का एक सक्षम ढांचा तैयार करना है। आर्थिक सुधार के 25 वर्ष बाद यह स्पष्ट है कि केंद्र एवं राज्यों की आर्थिक नीति संबंधी कार्रवाइयां लोगों की आर्थिक नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

देश के आर्थिक विकास और प्रगति के लिए आने वाली सरकार को विकास एवं समृद्धि का लाभ उठाने की खातिर केंद्र-राज्य संबंधों को और मजबूत बनाना होगा। वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों ने आर्थिक विकास में राज्यों की भूमिका को व्यापक तरीके से बढ़ाया। यह प्रक्रिया आज भी जारी है। उसके बाद आने वाली सभी सरकारों ने इस प्रक्रिया को और मजबूत ही बनाया है। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहद सामंजस्यपूर्ण रिश्ते देश के लोगों की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालांकि हाल के महीनों में विभिन्न मुद्दों पर हमने केंद्र और राज्यों के रिश्तों में तनाव देखा है। बेशक, इनमें से कुछ मुद्दे चुनावी मौसम होने के कारण हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता तथा केंद्र एवं राज्यों की विषम शक्तियां ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका समाधान एक संघीय देश को हमेशा करने की आवश्यकता होती है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यदि इनका समाधान न किया जाए, तो ये जरूर असामान्य हो सकते हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच चर्चा, बहस और बातचीत के लिए इस तरह से एक संस्थागत ढांचा तैयार किया जाना चाहिए कि वह केंद्र-राज्य संबंधों के सभी मुद्दों का भरोसे के आधार पर समाधान सुझाए। हमारे देश का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। वर्ष 2030 तक शहरी आबादी के मामले में भारत सबसे ज्यादा शहरीकृत देशों में से एक होगा। चूंकि तेज शहरीकरण के साथ-साथ विस्थापन भी तेजी से बढ़ेगा, इसलिए तेज शहरीकरण के लिए जरूरी संसाधनों के वित्तपोषण की खातिर उचित तरीके के बारे में सोचने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था और समाज में दूरगामी बदलावों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान महत्वपूर्ण है और इसे रणनीतिक जरूरत ही माना जाना चाहिए। शहरीकरण का लाभ उठाने और चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक निवेश संबंधी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। नई सरकार को नए शहरी विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। साझा बाजार के विकास, उच्च आर्थिक विकास और राजस्व के मामले में जीएसटी का व्यापक लाभ उठाने के लिए जीएसटी संरचना के ढांचे को और ज्यादा सरल बनाने की जरूरत है। दो-दर वाली जीएसटी संरचना तैयार करने के लिए जीएसटी ढांचे में और सुधार की खातिर परामर्श प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। असल में, जीएसटी ढांचे में परिवर्तन केवल जीएसटी परिषद में ही किया जा सकता है। इसलिए इस दिशा में कदम उठाना जीएसटी ढांचे को सरल बनाने के दीर्घकालीन समाधान के लिए फायदेमंद होगा। नया जीएसटी ढांचा इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिसका आधार व्यापक हो, लेकिन कर की दर कम हो। यह आसान काम नहीं है। राजस्व और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ऐसे बदलावों के निहितार्थ को समझने के लिए प्रमुख नीति विश्लेषण एवं आम सहमति बनाने की जरूरत होगी। चूंकि भारत व्यापक आर्थिक समृद्धि हासिल करने की ओर तेजी से अग्रसर है, इसलिए देश में बढ़ती आर्थिक असमानता से निपटने के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। इसके लिए सरकारी खर्च को अधिक से अधिक पुनर्वितरित करने की आवश्यकता है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान विरासत में मिली संपत्ति पर कर लगाने के बारे में काफी चर्चा हुई, लेकिन विभिन्न देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि संपत्ति पर कर लगाकर प्रगति की गुंजाइश बहुत कम है। इस मामले में भारत का अपना अनुभव भी बहुत अच्छा नहीं है। इसलिए व्यापक आधार पर सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सरकारी खर्च के पुनर्वितरण पर ध्यान केंद्रित करना ज्यादा मददगार साबित होगा। अंत में, नई सरकार का दीर्घकालीन एजेंडा प्रौद्योगिकी में निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार व उसका विनियमन करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने के लिए उचित नीतिगत ढांचा तैयार करने पर केंद्रित होना चाहिए, ताकि भारत को वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनाए रखा जा सके।

मंडी से आगे चल रहीं कंगना रणौत, गुड़गांव से कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर आगे

सिनेमा और सियासत का नाता बहुत पुराना है। बॉलीवुड से लेकर साउथ में कई ऐसे सितारे हैं, जो फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाने के बाद राजनीति में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उतर गए। अपनी इस यात्रा में कई फिल्मी सितारों को लोगों का प्यार भी मिला। इस बार भी कई सितारे चुनावी रण में उतरे हैं। आइए जानते हैं कि मनोरंजन जगत की कौन सी हस्ती किस लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में है।

गोरखपुर से भाजपा के रवि किशन आगे

मंडी से भाजपा प्रत्याशी और अभिनेत्री कंगना रणौत आगे

बिहार की काराकाट सीट से भोजपुरी कलाकार और निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह पीछे

मेरठ से भाजपा प्रत्याशी और अभिनेता अरुण गोविल आगे

उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी आगे

आसनसोल से टीएमसी प्रत्याशी और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा पीछे

गुडगांव से कांग्रेस प्रत्याशी और अभिनेता राज बब्बर आगे

हेमा मालिनी बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी इस बार भी लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। वह तीसरी बार भाजपा के टिकट पर चुनाव में उतरी हैं। वर्तमान में हेमा मालिनी मथुरा लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व भी कर रही हैं। उनके सामने इस बार कांग्रेस से मुकेश धनगर और बसपा से सुरेश सिंह की दावेदारी है। हालांकि, पहले चर्चा थी कि हेमा मालिनी के सामने कांग्रेस बॉक्सर विजेंदर सिंह को उतारेगी, लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। 2019 में मथुरा लोकसभा सीट पर भाजपा के टिकट पर हेमा मालिनी को जीत मिली थी। बता दें कि फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों की तारीफें बटोरने वालीं हेमा मालिनी 2004 में भाजपा में शामिल हुई थीं। हेमा मालिनी ने अपने सिने करियर में लगभग 150 फिल्मों में काम किया। उन्हें सीता और गीता, प्रेम नगर, अमीर गरीब, शोले जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।**राज बब्बर** हरियाणा की गुड़गांव लोकसभा सीट से अभिनेता राज बब्बर कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। राज बब्बर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इस चुनाव में राज के सामने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भाजपा के प्रत्याशी हैं। वह मौजूदा केंद्र सरकार में कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। इसके अलावा जजपा ने राहुल यादव फाजिलपुरीया और इनेलो ने सौराब खान को उम्मीदवार बनाया है। 2019 में गुड़गांव सीट पर भाजपा के राव इंद्रजीत को जीत मिली थी। राज बब्बर 2019 में गाजियाबाद लोकसभा सीट से मैदान में थे, लेकिन उन्हें भाजपा के वीके सिंह ने हरा दिया था। हिंदी सिनेमा में राज बब्बर अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने करीब 150 फिल्मों और 30 से ज्याद नाटकों में अभिनय किया है।

कंगना रणौत इस चुनाव में उतरे कुछ उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनकी चर्चा सबसे ज्यादा है। ऐसा ही एक नाम है कंगना रणौत। कंगना को भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। विक्रमादित्य सिंह यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। विक्रमादित्य मंडी से मौजूदा कांग्रेस सांसद प्रतिभा सिंह के बेटे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के राम स्वरुप शर्मा जीते थे। कंगना की बात करें तो उन्होंने 2006 में बॉलीवुड में डेब्यू किया और लगातार संघर्ष करते हुए उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया। कंगना लगभग 18 साल से बॉलीवुड में सक्रिय हैं। फिल्म %क्वीन% में अपने जबरदस्त अभिनय के कारण कंगना को बॉलीवुड की क्वीन भी कहा जाता है।

रवि किशन उत्तर प्रदेश की चर्चित सीटों में शामिल गोरखपुर से भोजपुरी अभिनेता रवि किशन भाजपा के टिकट पर फिर चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट से वह मौजूदा सांसद भी हैं। गोरखपुर वही सीट है, जहां से उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सांसद हुआ करते थे। यहां की राजनीति में गोरक्षपीठ का काफी असर रहता है। इस अहम सीट पर लड़ाई दो फिल्मी चेहरों के बीच है। रवि किशन के सामने सपा की काजल निषाद चुनाव लड़ रही हैं जो खुद भी भोजपुरी कलाकार हैं। रवि ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1992 में आई फिल्म %पीताम्बर% से की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। रवि किशन ने बॉलीवुड के अलावा भोजपुरी, कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी काम किया है।

पवन सिंह बिहार की काराकाट सीट इस चुनाव में चर्चा में है। निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भोजपुरी कलाकार पवन सिंह ने काराकाट की लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। उपेंद्र कुशवाहा यहां से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी हैं। महागठबंधन की ओर से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने राजा राम सिंह उतरे हैं। भाजपा ने पहले उन्हें आसनसोल से टिकट दिया था, लेकिन अगले ही दिन पवन सिंह ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा के बहुत ही चर्चित अभिनेता हैं और गायक हैं। संघर्ष के दिनों में पवन सिंह की मां और उनके चाचा उनकी ढाल बने खड़े रहे थे, उन्होंने 10वी कक्षा तक ही पढ़ाई की है।

लॉकेट चटर्जी पश्चिम बंगाल की हुगली सीट पर इस बार लड़ाई टॉलीवुड के दो कलाकारों के बीच है। तृणमूल कांग्रेस ने बांग्ला टीवी जगत की दीदी नंबर-1 रचना बनर्जी को मैदान में उतारा है। 49 साल की रचना बनर्जी मिस कलकत्ता भी रह चुकी हैं। वह बांग्ला फिल्म जगत का जाना पहचाना नाम हैं। उधर भाजपा की प्रत्याशी लॉकेट चटर्जी हैं, जो रचना की सहेली हैं। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम भी किया है। लॉकेट को 2014 में ममता बनर्जी सियासत में लेकर आईं थीं, लेकिन बाद में नाराजगी के चलते उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। इसके बाद 2019 के चुनाव में लॉकेट ने तृणमूल की डॉ. रत्ना डे को हरा दिया। लॉकेट चटर्जी क्लासिकल डांसर भी हैं। उन्होंने भरत नाट्यम, कथकली, मणिपुरी नृत्य कला सीखी। हालांकि, उन्हें टॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में जाना जाता है।

शत्रुघ्न सिन्हा शत्रुघ्न सिन्हा पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। श्रमिक और झारखंड-बिहार के प्रवासी मतदाताओं की बहुलता वाली इस सीट पर 2019 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। पिछले चुनाव में यहां से गायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो भाजपा के टिकट पर जीते थे। सुप्रियो ने बाद में सांसदी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके बाद हुए उपचुनाव में यहां से तृणमूल के टिकट पर शत्रुघ्न सिन्हा ने जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा ने पहले पवन सिंह को आसनसोल सीट से उम्मीदवार बनाया था। पवन को उम्मीदवार बनाने का जैसे ही एलान किया, वैसे ही विपक्ष ने पवन सिंह के कुछ पुराने गानों को लेकर आपत्ति जताई। बाद में पवन सिंह ने आसनसोल से चुनाव न लड़ने का एलान किया। इसके बाद पार्टी ने सांसद एसएस अहलूवालिया को यहां से उतारा। इसके अलावा, माकपा ने जहांआरा खान को अपना प्रत्याशी बनाया है। बॉलीवुड में %शॉटगन% के नाम से मशहूर शत्रुघ्न ने कई शानदार फिल्मों में अभिनय किया है। हीरो के रोल में वह छाए, लेकिन उससे पहले उन्होंने खलनायक के रूप में अच्छी पहचान बनाई। दिलचस्प बात यह है कि करियर के शुरुआत में वह चमके ही विलेन बनकर।

मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली की उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से वर्तमान में भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी सांसद हैं। इस बार भी भाजपा ने मनोज तिवारी को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उनके सामने जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को मैदान में उतारा है। पूर्वांचल और बिहार से आने वाले दो चर्चित चेहरों के यहां से उतरने के कारण मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

2019 में भाजपा ने एक बार फिर दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत हासिल की। इनमें उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट की जीत भी शामिल रही। इस चुनाव में मुकाबला था भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बीच। नतीजे सामने आए तो उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर मनोज ने कांग्रेस की शीला दीक्षित को हरा दिया। फिल्मों में आने से पहले मनोज तिवारी तकरीबन 10 साल भोजपुरी गायक रहे हैं। दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ देश की हॉट सीटों में उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ सीट भी है। भाजपा ने यहां भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ पर भरोसा जताया है। वहीं मुलायम सिंह यादव के भतीजे और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव सपा के टिकट पर मैदान में हैं। दिनेश लाल यादव आजमगढ़ के मौजूदा सांसद भी हैं। बसपा ने मशहूद अहमद को मैदान में उतारकर मुकाबले को रोमांचक बनाने की कोशिश की है। 2019 के चुनाव में आजमगढ़ सीट पर सपा के अखिलेश यादव जीते थे लेकिन 2022 में विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने सांसदी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद हुए उपचुनाव में दिनेश लाल ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने भोजपुरी फिल्म गंगा देवी में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और गुलशन ग्रोवर के साथ अभिनय किया है।

स्त्री' के आधे पर अटकी माही दंपती की कहानी, अब होगा मंडे लिटमस टेस्ट

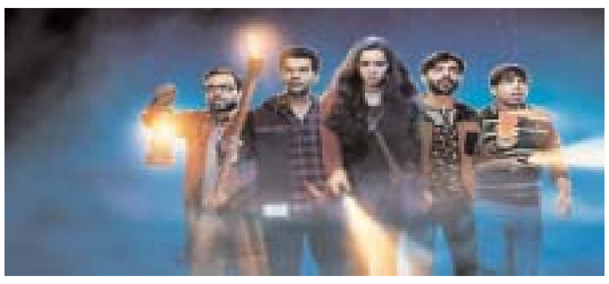

अभिनेता राजकुमार राव अपनी नई फिल्म 'भूल चूक माफ' की शूटिंग करने वाराणसी पहुंच चुके हैं। यहां मुंबई में उनकी बिजनेस टीम किसी भी तरह फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और उससे पहले रिलीज फिल्म 'श्रीकांत' को हिट कराने में जी जान से जुटी है। उनका इमेज मैनेजमेंट देखने वाली टीम उससे भी ज्यादा मेहनत कर रही है। लेकिन, राजकुमार राव का मामला है बड़ा रिस्की। 40 करोड़ में बनी उनकी फिल्म 'श्रीकांत' रिलीज के 25 दिन बाद भी 50 करोड़ रुपये तक नहीं पहुंची है। और, अब 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की शानदार ओपनिंग के बाद घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका भी मामला गड़बड़ाता दिख रहा है।धर्मा प्रोडक्शंस और जी स्टूडियो की साझा प्रस्तुति फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' भी करीब 40 करोड़ रुपये में बनी है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के टिकटों की बिक्री से होने वाली कमाई का करीब 40 फीसदी ही चूंकि निर्माताओं तक वापस पहुंचता है लिहाजा किसी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट होने के लिए अपने कुल बजट का कम से कम दोगुना कमाना जरूरी है। इस लिहाज फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की कमाई पर भी फिल्म ट्रेड की नजरें टिकी हुई हैं। फिल्म ने पहले दिन करीब पौने सात करोड़ रुपये की ओपनिंग लेकर इसे बनाने वालों का दिल खुश कर दिया था।राजकुमार राव, जान्हवी कपूर, कुमुद मिश्रा और राजेश शर्मा अभिनीत फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को पहले दिन सिनेमा लवर्स डे का फायदा मिला। इस दिन टिकटों के दाम 99 रुपये रखे गए थे। लेकिन अगले दिन से ही फिल्म लड़खड़ाने लगी। फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को तगड़ा गोता लगाया और फिल्म की कमाई करीब 32 फीसदी गिरकर 4.70 करोड़ रुपये तक आ गई। रविवार को भी फिल्म शुक्रवार का अपना कलेक्शन नहीं पार कर सकी। छुट्टी वाले इस दिन फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की कमाई रही करीब 5.50 करोड़ रुपये। इस तरह ये रिलीज के पहले सप्ताहांत में सिर्फ 16.85 करोड़ रुपये कमा सकी है। राजकुमार राव की अब तक की सबसे कामयाब फिल्म 'स्त्री' मानी जाती है, जिसे हिट कराने में इस फिल्म में शामिल पंकज त्रिपाठी, श्रद्धा कपूर, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी की भी खासी भूमिका मानी जाती है। फिल्म में कृति सैनन और नोरा फतेही के दो डांस नंबर भी थे। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री' ने पहले दिन 6.82 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी, लेकिन फिल्म की लोगों ने इतनी तारीफ की कि ये पहले वीकएंड में ही 31.26 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही। फिल्म का कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 129.90 करोड़ रुपये रहा था। राजकुमार राव के 14 साल के करियर की ये इकलौती सौ करोड़ी फिल्म रही है।

थम गई अक्षय की मराठी फिल्म वेदत मराठे वीर दौडले सात की शूटिंग, बजट की समस्या से जूझ रहे निर्माता

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की मराठी फिल्म वेदत मराठे वीर दौडले सात की शूटिंग से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। फैंस को उनकी इस मराठी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उनकी इस फिल्म की शूटिंग रोक दी गई गई है। निर्माता वसीम कुरैशी ने बजट की समस्या के चलते फिल्म की शूटिंग रोक दी

है। सूत्र ने आगे कहा, लगभग 50% शूटिंग पूरी हो चुकी है। अक्षय कुमार ने अतिथि भूमिका निभाई है और उन्होंने 3 दिनों तक शूटिंग की है। उन्हें उनकी फीस का एक बड़ा हिस्सा भी दे दिया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि अक्षय ने अपनी शूटिंग पूरी कर ली है या फिर फिल्मांकन फिर से शुरू होने के बाद उन्हे वेदत मराठे वीर दौड़े सात के सेट पर वापस आना होगा।

कौन हैं टी-सीरीज को पीछे छोड़ने वाले यूट्यूबर मिस्टरबीस्ट इस तरह के वीडियो से करते हैं मोटी कमाई

मिस्टरबीस्ट के नाम से मशहूर जिमी डोनाल्डसन भारतीय म्यूजिक कंपनी टी-सीरीज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर बन गए हैं। उनके अब 26.7 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। हाल ही में अपने सब्सक्राइबर की संख्या की तुलना टी-सीरीज से करते हुए उन्होंने एक स्क्रीनशॉट साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, छह साल बाद आखिरकार हमने प्यूडिपाई का बदला ले लिया है।

मिस्टरबीस्ट कौन है?

मिस्टरबीस्ट एक अमेरिकी यूट्यूबर हैं

जो चुनौतियों से भरे वीडियो बनाने के लिए मशहूर हैं। अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत उन्होंने साल 2012 में की थी। तब वह केवल 13 साल के थे। इनके चैनल पर कुल वीडियो की संख्या 798 है। 2017 में उनके एक वीडियो वायरल हो गया था। इस वीडियो को कुछ ही समय में 10 हजार से ज्यादा बार देखा गया था। उनका सबसे ज्यादा देखा गया वीडियो वर्स्ट माइनक्राफ्ट सॉ ट्रेप एवर है। इस वीडियो को दो करोड़ 40 लाख बार देखा गया है।

तगड़ी कमाई करते हैं डोनाल्डसन

26 साल के यूट्यूब कमाई भी तगड़ी करते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि मौजूदा समय में उनकी कितनी संपत्ति है, लेकिन नवंबर 2022 में फोर्ब की ओर से जारी किए गए आंकड़े में बताया गया था कि यूट्यूब से उन्होंने एक साल में पांच करोड़ 40 लाख डॉलर की कमाई की थी।

आमिर अली के साथ शादी में खुश थीं संजीदा शेख, कभी दिया था बेहतरीन पति और बॉयफ्रेंड का टैग

टीवी की खूबसूरत अदाकारा संजीदा शेख इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे संजय लीला भंसाली के शो हीरामंडी में वहीदा की भूमिका में नजर आई थीं। इस शो में वे सोनाक्षी सिन्हा और मनीषा कोइराला जैसे कलाकारों के संग दिखी थीं। दर्शकों को उनका यह किरदार काफी पसंद आया है। हाल ही में संजीदा का एक पुराना साक्षात्कार वायरल हुआ है जिसमें वे अपने पूर्व पति आमिर अली के बारे में बातें करती नजर आ रही हैं।

आमिर अली नहीं थे एक्सप्रेसिव संजीदा शेख और आमिर अली की जोड़ी टीवी की मशहूर जोड़ियों में से एक थी। दोनों में लाजवाब केमिस्ट्री थी। वायरल हो रहे इंटरव्यू में संजीदा अपने पूर्व पति के बारे में बातें करती हुई कहती हैं,शादी के बाद मैं आमिर में काफी बदलाव देख रही हूं। शादी से पहले आमिर अपनी बातों को कह नहीं पाते थे, लेकिन अब वे बदल गए हैं। वे काफी रोमांटिक हो गए हैं और प्यार को जाहिर करना भी सीख रहे हैं।

संजीदा अपनी भावनाओं को लेकर हैं मुखर अभिनेत्री अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं अपनी भावनाओं को लेकर काफी मुखर हूं। मैं अपनी सारी बातें आमिर से कह देती हूं और मुझे लगता है पिछले दस वर्षों में आमिर काफी बदले हैं। मैं चाहे कितनी भी व्यस्त रहूं शूटिंग के बाद का अपना सारा समय आमिर के साथ बिताती हूं और आमिर भी यही करते हैं। अब तो मेरी सहेलियां भी कहती हैं कि उन्हें आमिर जैसा पति और बॉयफ्रेंड चाहिए। उस इंटरव्यू में संजीदा के साथ आमिर अली भी मौजूद थे। उन्होंने भी संजीदा की बातों से अपनी सहमति जाहिर किया था।

शादी के आठ साल बाद हुआ था तलाक संजीदा शेख और आमिर अली ने साल 2020 में अलग होने की घोषणा की थी। शादी में आठ साल साथ रहने के बाद उन्होंने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था। तलाक के बाद भी दोनों के बीच कभी कड़वाहट नहीं आई। शादी के दो साल बाद सरोगेसी के जरिए दोनों एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बने थे।

नूतन ने मां की फिल्म से किया था डेब्यू, मिस इंडिया का खिताब जीता, संजीव कुमार से अफेयर की उड़ी थी अफवाह

अपनी अदाकारी से पहचान बनाने वाली अभिनेत्रियां तो बहुत सी हैं, लेकिन अगर यह कहा जाए कि उन सभी में से नूतन एकदम अलग है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। नूतन का जन्म आज ही के दिन साल 1936 में हुआ था। अब वो इस दुनिया में नहीं है, लेकिन शानकार कलाकार के तौर पर उनकी शख्सियत आज भी कायम हैं। उनके काम को पसंद करने वाले आज भी कम नहीं हुए हैं।

नूतन अपने चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। अभिनेत्री काजोल की मां और दिग्गज अभिनेत्री तनुजा, नूतन की छोटी बहन हैं। मां-बेटी की बात चल पड़ी है तो आपको बता देते हैं कि नूतन केवल 14 साल की थीं, जब उन्होंने हमारी बेटी फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म का निर्देशन नूतन की मां शोभना ने ही किया था। छलिया, मैं तुलसी तेरे आंगन की, पेइंग गेस्ट, अनाड़ी, कर्मा, मेरी जंग और सौदागर नूतन के करियर अहम फिल्मों में शामिल हैं। उन्होंने करीब 70 फिल्मों में अभिनय किया था।

साल 1959 में नूतन ने रजनीश बहल से शादी की थीं, जो इंडियन नेवी में लेफ्टिनेंट कमांडर थे। नूतन ने एक बेटे को जन्म दिया था। उनका नाम मोहनीश हैं। ये वही मोहनीश हैं, जिन्हें आपने हम साथ साथ हैं फिल्म में देखा होगा। नूतन ने 'मिस इंडिया' का भी खिताब जीता था और इस मुकाम को हासिल करने वाली वो पहली एक्ट्रेस थीं। नूतन किरदार की मांग के हिसाब से आत्मविश्वास के साथ बोल्ड कपड़े भी पहना करती थीं। उदाहरण के लिए साल 1958 में आई फिल्म दिल्ली का ठग में नूतन स्विमसूट पहने नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म में डाइविंग चैंपियन की भूमिका निभाई थी।

नूतन के बारे में कहा जाता है कि वो फिल्म के सेट अक्सर खामोश ही रहती थीं। उन्हें कभी-कभार ही किसी से बातचीत करते हुए देखा जाता था, मगर एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके और एक बड़े अभिनेता के बीच कुछ ऐसा होने लगा था, जिससे बात इस हद तक पहुंच गई थी कि नूतन को अपना हाथ उठाना पड़ गया था। दरअसल, बात उस दौर की है, जब देवी फिल्म की शूटिंग चल रही थी। इस दौरान नूतन की दोस्ती संजीव कपूर से हो गई थी। दोनों की नजदीकियों को देख अफेयर की अफवाह से खबरों का बाजार गरम हो गया था। फिर एक दिन नूतन ने एक मैग्जीन में इस तरह की खबर पढ़ ली। पता चला कि संजीव कुमार ने ही अफेयर की बात फैला रखी है, हालांकि, यह गलतफहमी थी, लेकिन इतना जानते ही नूतन आग बबूला हो उठी थीं और उन्होंने संजीव कुमार को तमाचा जड़ा दिया था।

नूतन को उनके काम के लिए कई बार सम्मानित किया गया था। उन्हें पांच बार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। कहा जाता है कि तीस साल तक किसी अभिनेत्री को इतने फिल्मफेयर अवॉर्ड नहीं मिले थे। नूतन को पद्मश्री से भी नवाजा गया था। साल 1991 के फरवरी महीने में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर था, जिसके बारे में साल 1990 में पता चला था।

नूतन ने मां की फिल्म से किया था डेब्यू, मिस इंडिया का खिताब जीता, संजीव कुमार से अफेयर की उड़ी थी अफवाह

अपनी अदाकारी से पहचान बनाने वाली अभिनेत्रियां तो बहुत सी हैं, लेकिन अगर यह कहा जाए कि उन सभी में से नूतन एकदम अलग है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। नूतन का जन्म आज ही के दिन साल 1936 में हुआ था। अब वो इस दुनिया में नहीं है, लेकिन शानकार कलाकार के तौर पर उनकी शख्सियत आज भी कायम हैं। उनके काम को पसंद करने वाले आज भी कम नहीं हुए हैं।

नूतन अपने चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। अभिनेत्री काजोल की मां और दिग्गज अभिनेत्री तनुजा, नूतन की छोटी बहन हैं। मां-बेटी की बात चल पड़ी है तो आपको बता देते हैं कि नूतन केवल 14 साल की थीं, जब उन्होंने हमारी बेटी फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म का निर्देशन नूतन की मां शोभना ने ही किया था। छलिया, मैं तुलसी तेरे आंगन की, पेइंग गेस्ट, अनाड़ी, कर्मा, मेरी जंग और सौदागर नूतन के करियर अहम फिल्मों में शामिल हैं। उन्होंने करीब 70 फिल्मों में अभिनय किया था।

साल 1959 में नूतन ने रजनीश बहल से शादी की थीं, जो इंडियन नेवी में लेफ्टिनेंट कमांडर थे। नूतन ने एक बेटे को जन्म दिया था। उनका नाम मोहनीश हैं। ये वही मोहनीश हैं, जिन्हें आपने हम साथ साथ हैं फिल्म में देखा होगा। नूतन ने 'मिस इंडिया' का भी खिताब जीता था और इस मुकाम को हासिल करने वाली वो पहली एक्ट्रेस थीं। नूतन किरदार की मांग के हिसाब से आत्मविश्वास के साथ बोल्ड कपड़े भी पहना करती थीं। उदाहरण के लिए साल 1958 में आई फिल्म दिल्ली का ठग में नूतन स्विमसूट पहने नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म में डाइविंग चैंपियन की भूमिका निभाई थी।

नूतन के बारे में कहा जाता है कि वो फिल्म के सेट अक्सर खामोश ही रहती थीं। उन्हें कभी-कभार ही किसी से बातचीत करते हुए देखा जाता था, मगर एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके और एक बड़े अभिनेता के बीच कुछ ऐसा होने लगा था, जिससे बात इस हद तक पहुंच गई थी कि नूतन को अपना हाथ उठाना पड़ गया था। दरअसल, बात उस दौर की है, जब देवी फिल्म की शूटिंग चल रही थी। इस दौरान नूतन की दोस्ती संजीव कपूर से हो गई थी। दोनों की नजदीकियों को देख अफेयर की अफवाह से खबरों का बाजार गरम हो गया था। फिर एक दिन नूतन ने एक मैग्जीन में इस तरह की खबर पढ़ ली।

जंगली सूअर के हमले से वृद्ध घायल शाजापुर जिला अस्पताल में इलाज जारी

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, खेत पर काम कर रहे वृद्ध को जंगली सूअर ने हमला कर घायल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उपड़ी निवासी पीरूलाल पिता नारायणसिंह सोमवार को खेत पर काम कर रहे थे, तभी अचानक से उन पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। पीरूलाल के पैर में चोंट आने पर उन्हे उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया।

आबकारी दल ने पकड़ी 4200 किग्रा लाहन एवं 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, अवैध शराब के विरूद्ध जिला आबकारी अधिकारी निधि जैन के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत वृत्त शाजापुर अंतर्गत किठोर कंजर डेरा में पुलिस एवं आबकारी दल ने दबिश कर लगभग 4200 किग्रा लाहन तथा 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा के अंतर्गत 05 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेशकुमार पन्द्रे, आबकारी उप निरीक्षक सुरेश पटेल, मीनाक्षी बोरदिया, आबकारी आरक्षक लखनसिंह सिसोदिया, दिनेशकुमार कौशिक, राकेश जमरा, नगर सैनिक बाबूलाल गुर्जर, ओमप्रकाश दुबे, गोपालसिंह तथा सलसलाई थाना स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

मतगणना तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन के लिए आज 04 जून को होने वाली मतगणना के लिए बनाए गए नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना ने तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर बाफना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय साल्विया को निर्देश दिए कि मतगणना स्थल पर आकस्मिक चिकित्सा कक्ष बनाकर यहां बेड लगवाएं और आवश्यक दवाईयां भी रखें। सीएमओ नगरपालिका को कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतगणना स्थल पर सफाई और पेयजल की सतत् व्यवस्था बनाए रखें। मतगणना स्थल पर चलित शौचालयों की भी व्यवस्था रखें। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना स्थल पर मोबाईल का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अतः कोई भी अधिकारी मोबाईल लेकर नहीं जाएं। भू.अभिलेख अधीक्षक निर्वाचन के लिए तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों व श्रमिकों के प्रवेश पत्र बनाएं। इस मौके पर अन्य बिन्दुओं की भी विस्तार से

समीक्षा की गई गणना कर्मियों का द्वितीय रेण्डमाईजेशन संपन्न मतगणना के लिए नियुक्त किए गए गणना सुपरवाईजर, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर्स का द्वितीय रेण्डमाईजेशन किया गया। मतगणना के लिए शाजापुर विधानसभा के लिए 18, शुजालपुर एवं कालापीपल के लिए 14-14 टेबलों तथा पोस्टल बैलेट की गणना के लिए लगाए जाने वाली 08 टेबलों पर तैनात किए जाने वाले गणना कर्मियों का रेण्डमाईजेशन हुआ। द्वितीय रेण्डमाईजेशन के दौरान प्रेक्षक केपी मोहनराज, एल पुनीथा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना, सहायक कलेक्टर शिवम यादव, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, एनआईसी सूचना विज्ञान अधिकारी विवेक महावर भी उपस्थित थे। मतगणना स्थल का निरीक्षण मतगणना के लिए नियत स्थल शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर का निरीक्षण प्रेक्षक केपी मोहनराज तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना ने किया। मतगणना स्थल पर प्रेक्षक ने विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए गणना कक्षों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा एवं निरीक्षण, डाक मतपत्रों की गणना के लिए बनाए गए कक्ष का निरीक्षण किया। साथ ही पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टरने गणना अभिकर्ताओं के लिए बनाए गए रास्तों एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

आसमान पर आवाजाही करते रहे काले बादल

तापमान में गिरावट के बाद भी गर्मी से नही मिली निजात

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, नौतपा समाप्त होते ही आसमान पर काले बादलों के जमावड़े के साथ अधिकतम तापमान में गिरावट शुरू हो गई है और तापमान लुढक़ने के बाद भी भीषण गर्मी की तपीश कम नही होने से लोगों के हाल बेहाल हैं। सोमवार को दिनभर काले बादलों की ओंट में सूर्य लुकाछिपी करता रहा, परंतु बावजूद इसके शहर के बाशिंदों को गर्मी से सुकून नही मिल सका। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अधिकतम

तापमान 41.6 एवं न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं आगामी दिनों में तापमान में दोबारा से बढ़ोत्तरी का सिलसिला शुरू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि आसमान पर काले बादलों की आवाजाही भले ही शुरू हो गई है, लेकिन इन बादलों के तेज बूंदों के साथ बरसने की संभावना बेहद कम है। मौसम विभाग के अनुसार जिले में मानसून की दस्तक आगामी 15 जून तक होने की उम्मीद है और इसके बाद ही झमाझम की झड़ी लगेगी। हालांकि आकाश पर काली घटाएं आना-जाना करती रहेंगी, परंतु यह घटाएं बूंदाबांदी के अलावा कुछ नही कर सकेंगी। साथ ही आगामी 7 जून से अधिकतम तामपान में पुनः इजाफा होगा और बेचैनी बढ़ेगी।

कार और बस की भिड़ंत में युवक गंभीर घायल

प्राथमिक उपचार के बाद युवक इंदौर रैफर

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, कार और बस की टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मक्सी में सोमवार को बस और कार की टक्कर हो गई, इस घटना में गुजरात निवासी फहीम पिता फेमुद्दीन घायल हो गया। सूचना मिलने पर एम्बुलेंस 108 के पायलेट राहुल तथा ईएमटी राजेन्द्र दांगी मौके पर पहुंचे और घायल को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर युवक को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर कर दिया गया।

अमरनाथ स्वरूप में हुआ ओंकारेश्वर महादेव का श्रंगार

महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, शहर के प्रसिद्ध महादेव मंदिर में पुजारी के द्वारा बाबा का बर्फ से आकर्षक श्रंगार किया गया। धानमंडी चौराहा स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी ओमप्रकाश गोस्वामी ने महादेव को अमरनाथ स्वरूप में श्रंगारित किया, जो भक्तों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। पुजारी ने बताया कि प्रतिवर्ष गर्मी के मौसम में भोलेनाथ को बाबा बर्फानी अमरनाथ स्वरूप में श्रंगारित किया जाता है। इस वर्ष भी सोमवार को बाबा का यह दुर्लभ श्रंगार कर भक्तों को दर्शन कराए गए। शाम के समय महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया।

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

छाता रेलवे स्टेशन की घटना

सिटी चीफ | मोहम्मद मुनीर |

शहडोल। ट्रेन से कटकर एक अज्ञात युवक की मौत हो गई है घटना की जानकारी रेलवे कर्मचारियों ने पुलिस को दी, बुढार पुलिस मामले की जांच कर रही है। छाता रेलवे स्टेशन के समीप एक अज्ञात युवक ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे वह कट गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई है। सोमवार की सुबह जानकारी देते हुए बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया की छता रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रेक में एक युवक का शव मिला है घटना की जानकारी रेलवे के कर्मचारियों ने पुलिस को दी है ,जानकारी लगने के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंची और पंचरामा कार्यवाही कर मृतक युवक के शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की अभी पहचान ना हो सकी है पुलिस आसपास के थाने व आसपास के जिलों में मृतक युवक की फोटो डालकर पहचान करने में लगी है,पुलिस ने मामले पर अभी फिलहाल मर्ग कायम किया है वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रेन में यह युवक

सवार था या ट्रैक में युवक सुसाइड करने पहुंचा था अभी मामले में जांच चल रही है, रेलवे ने भी अभी इस बात की पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी है जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा अभी तो पुलिस मृतक युवक की पहचान करने में लगी है ।

जहरीला पदार्थ खाने से तीस वर्षीय युवक की मौत

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत हो गई। अस्पताल चौकी प्रभारी बाबूलाल डाबी ने बताया कि अज्ञात कारणों के चलते रवि पिता दीपू जाटव निवासी मक्सी ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगडऩे पर परिजन युवक को शाजापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द्द किया गया। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है।

शहडोल में हीटवेव का कहर 48 घंटे मे हुई 02 मौत मचा हड़कंप

इधर 23 वर्षीय महिला तो उधर वृद्ध पुजारी ने तोडा दम

सिटी चीफ | मोहम्मद मुनीर

शहडोल, जिले मे भी अब हीट वेव का असर दिखना शुरू हो गया है। पिछले 48 घंटे के भीतर हीट वेव से दूसरी मौत का मामला सामने आया है। एक दिन पहले 1 जून को जहाँ एक युवती की मौत हो गई थी, वहीं 2 जून को एक 65 वर्षीय वृद्ध की मौत की जानकारी सामने आई हैँ। जानकारी के अनुसार गोहपारु थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पलसऊ निवासी रम्मू यादव पिता मातादीन यादव 65 वर्ष करीब दो दशक से ग्राम सरसी स्थित मतहा माता मंदिर मे पुजारी के रूप मे सेवाए दे रहा था। गत 2 जून को उसकी तबियत अचानक खराब लगने पर वह अपने गांव पलसऊ चला गया। परिजनों के अनुसार पुजारी ने घर आकर बताया कि उसके पेट मे काफी दर्द हो रहा है। इसके बाद वह पानी पीकर सो गया। काफ़ी देर बाद भी ज़ब वह नही उठा तो परिजन उसे उठाने गए। लेकिन इस बीच उसके प्राण निकल चुके थे। घटना के बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने कागजी कार्यवाही पूर्ण कर शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया। विदित हो कि इन दिनों देश भर मे गर्मी कहर ढहा रहीं हैँ। प्रशासन द्वारा इस हीट वेव को देखते हुए एडवाईजरी जारी लोगो से एहतियात बरतने के लिए कहा गया है। इधर हीटवेब से मौत मामले के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार ठीक एक दिन पूर्व गोहपारु थाना क्षेत्र के ग्राम पैलवाह निवासी अनुसार रिटायर्ड सेवा निवृत शिक्षक व पूर्व जिला योग प्रभारी महेश प्रसाद द्विवेदी की पुत्री आराधना द्विवेदी 23 वर्ष एक गैर सरकारी संस्थान (एनजीओ) में फील्ड कोआर्डिनेटर के पद मे कार्य करती थी। बीते 31 मई को वह चिलचिलाती धूप में ग्राम देवदहा ड्यूटी पर गई थी। संभवत: वह वहाँ हीटवेव की चपेट में आ गई। जब कार्यस्थल से शाम को वह अपने घर पैलवाह पहुंची तो कुछ ही देर मे अचानक बेहोश हो गईं। जिसके बाद परिजनो द्वारा उसे स्थानीय मुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू ले जाया गया। वहाँ उसका प्राथमिक उपचार किया गया लेकिन लगातार उसके पेट मे दर्द होने के साथ साथ उसका ब्लड प्रेशर गिरता जा रहा था। ज़ब बीपी कंट्रोल नहीं हुआ तो उसी रात्रि युवती क जिला चिकित्सालय शहडोल लाकर भर्ती कराया गया । लेकिन यहां भी उसे कोई आराम नही मिला। जिस पर परिजन निजी चिकित्सालय ले गए। वहाँ उपचार के दौरान वहाँ उसने दम तोड़ दिया। जिला चिकित्सालय में रात के समय उपचार करने वाले डॉ. मोहम्मद आशिक ने बताया कि पेटदर्द की शिकायत थी, रात में सांस लेने में भी तकलीफ बताने पर इलाज किया गया, जिसके बाद परिजन उसे यहाँ से निजी चिकित्सालय लेकर चले गए थे। गौरतलब हो कि मामले में गोहपारू जनपद पंचायत हुए दोनों घटनाक्रम में दोनों स्थान आसपास के ग्राम है, और दोनों हुई मौत के सम्बन्ध में डॉक्टर को बताये गई समस्या भी मिलती जुलती है अब देखना होगा की मामले में हिटवेब ही कारण ही या और दूसरी और वजह शोध का विषय है।

शहडोल में हुआ शिकार दिल्ली को हुई खबर

परिजनों का आरोप बेटे को रजिशन फसाया, बहु को 144 घंटे रखा हिरासत में, फिर छोड़ा

सिटी चीफ | मोहम्मद मुनीर |

शहडोल, जिला मुख्यालय में गुंडे बदमाशों ने तो आम आदमी का जीना हराम कर रखा है साथ साथ अब तो नौकरशाह भी आम जनता को डरने धमकाने एवं किसी रजिशन झगड़े को लेकर बेक़ुसूर लोगो को फ़साने जैसा कृत्य करने की खबर सुनने को मिल रही है, मिली जानकारी के मुताबिक बीते 29 मई सीनियर सिटीजन रिटायर्ड नगरपालिका सीएमओ दादू सिंह के लिए काला दिन साबित हुआ, जिन्होंने पूरी उम्र सरकार की योजनाओ का लाभ अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचाया जाये इस जद्दोजहद में बिता दिए, जिनको शासकीय वेतन पर नौकरशाह की कार्यप्रणाली का ककहरा रटा हुआ है दादू सिंह के अनुसार उनके घर में वर्षो से चल रहा संपत्ति विवाद घर से निकलकर थाने पंहुचा तो अपने ही अपनों को इस कदर टारगेट करेंगे किसी ने सोचा न था। दरअसल वन विभाग ने रंजिशन झगडे को योजनाबद्ध तरीके से वन्यप्राणी का शिकारी बनाकर रख दिया है, अब बुढ़ापे का सहारे उनके छोटे बेटे को गिरफ्तार करवा दिया। यह आरोप गिरफ्तार करुणेन्द्र सिंह के परिजनों का है। मामले में हमारे प्रतिनिधि को दिए बयान के मुताबिक छापेमार कार्यवाही के दौरान पुरुष वनकर्मियो ने पहले घर में घुसकर तलाशी ली और जब कुछ नहीं मिला तो उनकी पत्नी को भी झूठे केश में फसा देंगे। ऐसा करते हुए वन विभाग के पुरुष अफसरों एवं वन कर्मियो ने घोर अभद्रतापूर्ण करते हुए मारपीट कर भी दी। और तो और मामले में वन विभाग ने पति के साथ साथ पत्नी को भी गिरफ्तार कर जैतपुर के सुनसान इलाके में रखा गया, इधर बुजुर्ग सास ससुर परेशान हलकान बेटे बहु को खोजते रहे यह कैसा वन विभाग का जंगलराज है की गिरफ्तार व्यक्ति को किस कायदे कानून के तहत हिरासत में लिया जाना चाहिए। अब शहडोल के इतिहास में पहली दफा ऐसा माज़रा देखने को मिला जिसमे फिल्मो को तरह किसी पारिवारिक झगडे को यू उलझा दिया, जिसमे एक बेक़ुसूर को निशाना बनाया गया। अब इस बात की भी चर्चा जारी है आखिर कर मामले में कौन ऐसा बंदा है जो दिल्ली में रहकर शहडोल में हुए शिकार करने के बाद उसके दांत और बाकी अवशेष किस अलमारी में कहा रखा है पता चक गया लेकिन शहडोल में हज़ारो का वनविभागीय अमला अनवरत हो रहे शिकार मामले में हाथ पे हाथ रखकर क्यों बैठे हुए है। बड़ा सवाल है।

शहडोल कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण भटनागर ने जारी करा पत्र

मतगणना समाप्त होने के उपरांत सीलिंग प्रक्रिया एवं मशीनों के परिवहन हेतु पत्र जारी

सिटी चीफ | मोहम्मद मुनीर |

शहडोल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण भटनागर ने अध्यक्ष सचिव आम आदमी पार्टी जिला शहडोल अध्यक्ष सचिव भारतीय जनता पार्टी जिला शहडोल अध्यक्ष सचिव भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी जिला शहडोल अध्यक्ष सचिव भारतीय राष्ट्रीय पीपुल्स पार्टी जिला शहडोल अध्यक्ष सचिव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सवादी जिला शहडोल अध्यक्ष सचिव बहुजन समाज पार्टी जिला शहडोल एवं समस्त अभ्यर्थी लोकसभा क्षेत्र 12 शहडोल एवं 11 सीधी को पत्र जारी किया है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत मतगणना समाप्त होने के उपरांत सीलिंग प्रक्रिया शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में की जाएगी एवं सीलिंग पश्चात पोलेड ईव्हीएम, व्हीव्हीपीएटी मशीनों को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल के अस्थाई स्ट्रांग रूम से सहायक रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा क्षेत्र 83.ब्यौहारी, 84.जैयसिंनगरए 85.जैतपुर द्वारा ईव्हीएम वेयरहाउस कलेक्ट्रेट शहडोल में परिवहन कर ईव्हीएम मशीनें सुरक्षित रखी जाएगी। समस्त सीलिंग प्रक्रिया में एवं सीलिंग पश्चात मशीनों के परिवहन के समय एवं ईव्हीएम वेयरहाउस कलेक्ट्रेट शहडोल में सुरक्षित रखे जाने के समय तथा ईव्हीएम वेयरहाउस कलेक्ट्रेट शहडोल को खोलते समय एवं सम्पूर्ण कार्यवाही पश्चात बंद करते समय आप अथवा आपके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।

अवैध कालोनी विकसित करने वालो पर कसेगा शिकंजा

नगरपालिका एनओसी नहीं होनी चाहिए रजिस्ट्री कलेक्टर

सिटी चीफ | मोहम्मद मुनीर | शहडोल, जिले में एक नहीं दो नहीं आधा सैकड़ा अवैध कालोनी विकसित है जिनको भी मौका मिला कृषि भूमि को बिन डायवर्सन राजस्व में सेंध लगते हुए दनादन रजिस्ट्री किये जा रहे है ताज़ा मामला, सेंदुरी, विचारपुर, पचगांव एवं पुरानी बस्ती वॉर्ड नंबर 38 में विकसित अवैध कालोनाइजर की हुई शिकायत में तो अभी तक कोई कार्यवाही होती नज़र नहीं आये लेकिन सोमवार को कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के बाद तय है अवैध या बिना परमिशन विकसित भूखंड पर अब कार्यवाही हो कर रहेगी, किसी भी सूरत में उनको भी बख्सा नहीं जायेगा ।

यहाँ स्थगन के बावजूद बन गया मैरिज गार्डन.... हालही में एक बिना परमिशन मैरिज गार्डन के निर्माण में जिस तरह से शासकीय मशीनरी का बेजा इस्तेमाल किया उससे ये तय है की कलेक्टर लाख उपय कर ले लेकिन निचले स्तर पर नौकरशाहों एवं भूमाफिया का तगड़ा सिंडिकेट मैनेजमेंट अच्छे

अच्छे कायदे कानून के धज्जियाँ उड़ाने में महारत हासिल किये हुए है जो अवैध निर्माण से लेकर कोर्ट ऑफ कंटेंट भी चंद चाँदी के सिक्को की खातिर अपना ईमान भूमाफिया की दहलीज में गिरवी रख दिया करते है द्य इस मामले में वर्षो से एक ही जगह में पदस्थापना को लेकर ही सिंडिकेट फलफूल रहा है द्य लेकिन शहडोल कलेक्टर की इस पहल से एक तरफ शासकीय राजस्व की बढ़ोतरी होना संभव है वही दलाली राज में संकट की बदल गहरायेगे ।

किस किस पर गिरी गाज ...... इस मामले में सोमवार कलेक्टर तरूण भटनागर ने अवैधानिक तरीके से कालोनी का निमार्ण करने पर बिंदुराम तिवारी निवासी शहडोल सोहागपुर, श्रीमती सुनीता तिवारी निवासी सोहागपुर शहडोल, श्रीमती प्रभा मिश्रा निवासी बलपुरवा बस स्टैण्ड के पास शहडोल, प्रमोद कुमार तिवारी सोहागपुर शहडोल, इकबाल अहमद निवासी सोहागपुर शहडोल, विजय बहादुर सिंह निवासी बुढार रोड़ सोहागपुर शहडोल, अजय सिंह निवासी बुढार रोड़ शहडोल, अनिल कुमार सिंह बुढार रोड़ सोहागपुर, राजा सराफ, अनीश कुमार पिता सुभाषचंद्र गुप्ता निवासी शहडोल, श्रीमती नलिनी सिंह पत्नी पुष्पेंद्र सिंह निवासी श्रीजी प्लाजा शहडोल, सुनील खरे एवं श्रीमती जया खरे निवासी किरण टॉकीज के पास शहडोल, श्रीमती रतिया काछी निवासी ग्राम नरसरहा शहडोल तहसील सोहागपुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

बोतल से आखिकार निकला जिन्न.....कलेक्टर ने जारी कारण बताओं नोटिस में कहा गया है कि उक्त कृत्य मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम,1961 की धारा 339 क से 339 छ तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 के भाग 3 नियम-22 का उल्लघंन किया गया है। जारी कारण बताओं नोटिस में कहा गया है कि प्रश्नगत भूमि में अवैधानिक तरीके से कालोनी का निर्माण किया जाना स्पष्ट प्रतीत होने से प्रश्नाधीन भूमि को मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 एवं नवीन संशोधन दिनांक 25.05.2023 के नियम-23 एवं 24 एवं नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 339-ग के तहत कार्यवाही / दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने का प्रावधान है। गौरतलब हो की जारी आदेश में कहा गया है कि अवैध कालोनी निर्माण के संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण, पक्ष समर्थन पेशी तिथि 18 जून 2024 को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें कि आपके उक्त कृत्य के लिये प्रश्नाधीन भूमि को शासन के अधिकार में लेते हुये मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 एवं नवीन संशोधन दिनांक 25.05.2023 के नियम 23 एवं 24 एवं नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 339-ग में विहित प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही क्यों न की जाये ? निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण, पक्ष समर्थन प्रस्तुत न किये जाने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही नियत की जाकर प्रकरण में आदेश पारित किया जाएगा।

नगरीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण-पत्र....कलेक्टर तरूण भटनागर ने तहसीलदार सोहागपुर को आदेशित किया है कि नोटिस अनावेदक पर अनिवार्य रूप से तमील करते हुये तामीली प्रतिवेदन उपलब्ध करावें। साथ ही वादग्रस्त आराजी से संबंधित समस्त बटा नम्बरों के नामांतरण की कार्यवाही नहीं की जाये। उन्होंने उपपंजीयक, सोहागपुर, को आदेशित किया है कि मध्यप्रदेश नगरपलिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 नवीन संशोधन दिनांक 25.05.2023 के नियम 23 (3) के अनुरूप वादग्रस्त आराजी से संबंधित समस्त बटा नम्बरों के संबंध में विक्रेता या क्रेता अथवा दोनों से नगरीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किये बिना पंजीयन निष्पादित नहीं किया जाये।

ग्राम पंचायत शिवराजपुर में लाखों का काम चढ़ गया भ्रष्टाचार की भेंट

सरपंच-सचिव रिजेक्टेड सीमेंट एवं घटिया बालू का कर रहे हैं इस्तेमाल शिकायत करने पर झूठी रिपोर्ट थाने में लिखाने का दे रहे धमकी

सिटी चीफ | उमेश कुशवाहा | सतना, जिले के नागौद जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत शिवराजपुर पंच परमेश्वर मद के तहत स्वीकृत लाखों रुपए का काम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। यहां सीसी सड़कों के निर्माण में भी भारी मनमानी की जा रही है। सीसी सड़क के स्वीकृत शासकीय राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। शिवराजपुर ग्राम मे सीसी रोड निर्माण व नाली निर्माण कार्य सुखी लाल के घर से मुक्तिधाम तक किया जा रहा है। जो की पूर्ण रूप से घटिया किस्म के पदार्थ का उपयोग किया जा रहा एक तो सीमेंट थर्ड ग्रेड की है दूसरी बात सीमेंट की मात्रा कम एवं बालू गिट्टी की मात्रा अधिक डाली जा रही जिससे रोड पूर्ण रूप से खराब पदार्थ के कारण खराब हो जाएगी। सीईओ अशोक मिश्रा ने कहा शिवराजपुर ग्राम पंचायत में सीसी निर्माण की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी। वही इस निर्माण राशि को पोर्टल पर देखकर इसकी जांच के आदेश दूंगा। शिवराजपुर में पंच परमेश्वर मद के तहत मंजूर कार्यों में भ्रष्टाचार किया गया है। बोलने से बचते रहे सचिव - भरत लाल साहू इस मामले में भरत लाल साहू सचिव कुछ भी कहने से बचते रहे। वहीं

सरपंच रामकिशोर गौड़ का कहना है कि, हमारे जानकारी में कुछ नहीं है सरपंच रोजगार सहायक हमको कभी इसकी पुख्ता जानकारी नहीं देता अगर गलत रोड बन रही है। तो मै सचिन से बात करके सही कार्य करने के लिए उन लोगों को निर्देश दूंगा। शिवराजपुर ग्राम पंचायत के ग्राम वासियों ने सरपंच सचिव के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया कि गांव में जितने भी कार्य हो रहे हैं सब गुणवत्ता विहीन है अभी फिलहाल नाली निर्माण किया गया वह भी घटिया किस्म का एवं सीसी रोड का निर्माण जो हो रहा है वह भी बहुत ही घटिया है जो चंद दिनों पर खराब हो जाएगा हम लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि सीसी रोड एवं ग्राम पंचायत के सभी कार्यों की जांच कर सरपंच सचिव के ऊपर कानूनी कार्रवाई करें पीड़ित ग्रामवासी बबलू यादव सूखी लाल साहू छंगे लाल यादव ने प्रशासन से मांग किया है कि जांच कराकर पंचायत सचिव के ऊपर कानूनी कार्रवाई कीया जाये।

धर्मनगरी चित्रकूट का प्राकृतिक स्थल एवं संत महात्माओं की तप साधना को भंग कर रहे असामाजिक तत्व

आश्रम के नीचे होती है शराब पार्टी, संतों के सिद्ध घाट को पिकनिक स्पॉट में कर रहे तब्दील

सिटी चीफ | उमेश कुशवाहा | चित्रकूट. धार्मिक नगरी चित्रकूट आदिकाल से ही ऋषि मुनियों की तपस्थली रही है जहां आज भी टाठी घाट, पंच प्रयाग, हनुमान धारा और देवांगना के जंगलों में झोपड़ी और कुटिया बनाकर साधु, संत- महात्मा एकांत में तप साधना कर रहे हैं, जहां आम लोगों का पहुंच पाना कठिन है, लेकिन तप साधना के लिए निर्जन और एकांत स्थान पर भी अब पाश्चात्य संस्कृति के लोगों की नजर लग गई है। जिससे संत-महात्माओं की तपस्या में विघ्न, बाधा उत्पन्न हो रही है और ऐसे लोगों की नजर अब टाठी घाट/आश्रम में लग चुकी है। टाठी घाट वह आश्रम है जहां कुछ वर्षों पूर्व सिर्फ साधु संत ही रहकर तपस्या करते थे लेकिन अब यह स्थान भी पश्चात्य संस्कृति के लोगों के लिए पिकनिक स्पॉट बन गया है जहां बड़ी-बड़ी लग्जरी गाड़ियों में लोग फैमिली के साथ आकर घाट में पिकनिक मनाते हैं, इस घाट में अब दिनभर लड़के लड़कियों की भीड़ रहती है इतना ही नहीं पिकनिक मनाने आए लोग बाकायदा इस सिद्ध घाट में शराब की पार्टी करते हैं, जहां घाट के दोनों ओर हजारों की तादाद में बीयर, शराब की बोतलें शोभायमान हो रही हैं। ऐसा कुकृत्य देखकर टाठी घाट में तप करने वाले संत महात्माओं की आत्मा द्रवित हो रही है और संतों की तपस्या में भी बाधा पड़ रही है। संतों ने यह भी कहा कि यदि यहां ऐसे ही शराबी और सामाजिक तत्वों और पिकनिक मनाने वालों का जमावड़ा होता रहा तो वे भगवान का भजन और तपस्या नहीं कर पाएंगे। आप देख सकते हैं कि टाठी घाट में तपती धूप में भी संत महात्मा धूनी जलाकर साधना करते हैं, एकांत स्थान पर पवित्र मंदाकिनी के तट पर स्थित इस सिद्धाश्रम में धार्मिक वातावरण का माहौल था लेकिन अब इसी आश्रम के नीचे बह रही मंदाकिनी गंगा में पिकनिक मना रहे तमाम लोग शराब की पार्टी करते हैं और सिद्ध स्थान को पिकनिक स्पॉट बनाने पर तुले हुए हैं। घाट पर बाटी चोखा के साथ बियर का जाम छलकता है यदि यही हाल रहा तो अब संतों की तपोस्थली भी सुरक्षित नहीं रह पाएगी।

नतीजों से पता चलेगा कितना सफल रहा रालोद-भाजपा गठबंधन

जयंत चौधरी के दो ही उम्मीदवार हैं मैदान में

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जाट राजनीति के मिजाज का पता लोकसभा की मंगलवार को होने वाली मतगणना से जाहिर होगा।2009 के बाद भाजपा और रालोद का गठबंधन इस चुनाव में हुआ था। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने लोकसभा चुनाव की शुरूआत होने के दौरान आनन-फानन में बीजेपी के साथ गठबंधन कर बागपत और बिजनौर दो सीटों पर उम्मीदवार उतारे। दोनों सीटों पर भाजपा ने रालोद उम्मीदवारों को जिताने के लिए कड़ी मेहनत की। भाजपा के प्रमुख नेता और जिला सहकारी बैंक सहारनपुर चौधरी राजपाल सिंह ने सोमवार को कहा कि भाजपा ने बिजनौर

और बागपत के रालोद के दोनों उम्मीदवारों को उसी तरह से चुनाव लड़ाया है जिस तरह से उसने अपने उम्मीदवारों को लड़ाया। उन्होंने बताया कि प्रदेश भाजपाध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह लगातार बिजनौर के बारे में उनसे खबर लेते रहे हैं। चौधरी राजपाल सिंह को भाजपा ने बिजनौर लोकसभा की गुर्जर बहुल मीरापुर सीट की जिम्मेदारी दी थी। मीरापुर से ही रालोद उम्मीदवार चंदन चौहान विधायक भी हैं। चंदन चौहान का यह पहला लोकसभा चुनाव है। दिलचस्प है कि 2009 में रालोद-भाजपा गठबंधन से चंदन चौहान के पिता संजय चौहान इसी बिजनौर सीट से लोकसभा सदस्य चुने गए थे। चंदन चौहान ने आज इस संवाददाता से बातचीत में कहा कि उनके परिवार ने हमेशा सियासत को समाज सेवा का कार्य ही समझा है। उनके बाबा चौधरी नारायण सिंह उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। चंदन चौहान ने उम्मीद जताई कि बिजनौर की प्रबुद्ध जनता उनके पिता की तरह उन्हें भी मंगलवार को जीत का आर्शीवाद देने का काम करेगी। चंदन चौहान का मुकाबला कांग्रेस समर्थित सपा उम्मीदवार दीपक सैनी से है। बसपा ने मजबूत जाट नेता चौधरी बिजेंद्र सिंह को खड़ा किया। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला है। चंदन चौहान के चुनाव प्रभारी एवं भाजपा नेता संजय अग्रवाल ने आज कहा कि बिजनौर लोकसभा सीट बिजनौर, मुजफ्फरनगर और मेरठ तीन जिलों में फैली हुई है। दो विधानसभा बिजनौर और चांदपुर की गिनती बिजनौर जिला मुख्यालय पर होगी। हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र की गिनती मेरठ जिला मुख्यालय पर होगी और पुरकाजी और मीरापुर की मतगणना मुजफ्फरनगर मुख्यालय पर होगी। इस तरह से बिजनौर अकेली ऐसी संसदीय सीट है जिसका क्षेत्र मुरादाबाद, मेरठ और सहारनपुर मंडल में आता है। जयंत चौधरी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंदन चौहान के पक्ष में चुनावी सभाएं की। सपा के पक्ष में अखिलेश यादव ने सभा की। रालोद की दूसरी सीट बागपत है जो चौधरी चरण सिंह, अजीत सिंह और खुद जयंत चौधरी का चुनाव क्षेत्र रहा है। यह पहला मौका था जब इस परिवार का कोई भी सदस्य बागपत सीट पर मैदान में नहीं था। जयंत चौधरी ने खुद चुनाव ना लड़कर अपने एक साधारण कार्यकर्त्ता राजकुमार सांगवान को उम्मीदवार बनाया था। राजकुमार सांगवान का सपा के साथ कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कल नतीजे से ही पता चलेगा कि जीत किसकी होगी।

नतीजों से यह भी पता चलेगा कि रालोद-भाजपा गठबंधन कसौटी पर कितना खरा उतरा। जयंत चौधरी ने अपनी दोनों सीटों के अलावा भी पश्चिम की भाजपा की सभी जाट बहुल सीटों पर भी प्रचार किया। अब नतीजे ही बताएंगे कि उन सीटों पर उनका कितना असर रहा। बहरहाल इस चुनाव के बाद जयंत चौधरी एक नई पहचान के साथ खड़े होंगे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होगी

विजयी जुलूस निकालने पर रहेगी रोक, नतीजें तय करेंगे दिग्गजों की प्रतिष्ठा

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, सहारनपुर में पुलिस और प्रशासन ने लोकसभा चुनाव की मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। एसएसपी सहारनपुर डा. विपिन ताडा ने आज बताया कि मतगणना स्थल पर तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा।1500 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसमें पीएसी और अर्द्धसैनिक बल भी शामिल होंगे। मतगणना स्थल के आसपास सघन जांच अभियान चलाया जाएगा और ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी जाएगी।

मतगणना स्थल के आसपास संभावित भीड़ को देखते हुए बैरियर लगाए जाएंगे और जनता रोड़ पूरी तरह से वाहनों के लिए बंद रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने कहा कि मतगणना का काम पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी होगा। मतगणना में 452 कर्मचारी लगेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार सहारनपुर लोकसभा सीट पर 1227083 मत पड़े हैं। सबसे पहले 3122 बैलेट मतपत्रों की गिनती की जाएगी। ईवीएम की मतगणना के लिए 392 कर्मचारी लगेंगे। जिसमें माइक्रो

आब्जर्वर सुपरवाइजर, सहायक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। सहारनपुर की सात विधानसभा सीटों में से पांच सहारनपुर, **बेहट, सहारनपुर देहात, रामपुर** मनिहारान और देवबंद सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र में आती हैं और गंगोह और नकुड़ कैराना लोकसभा क्षेत्र में आती हैं। सातों की मतगणना सहारनपुर में ही होगी।सहारनपुर लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा और सपा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद के बीच है। कैराना सीट पर भाजपा सांसद प्रदीप चौधरी और कांग्रेस समर्थित सपा की युवा उम्मीदवार इकरा हसन के बीच है। सहारनपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी राघव लखनपाल शर्मा को उम्मीदवार बनवाने में प्रदेश भाजपाध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पूरे चुनाव के दौरान अपने खास लोगों के जरिए पल-पल की जानकारी लेने का काम किया। इस सीट पर भूपेंद्र चौधरी की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। राघव लखनपाल शर्मा और इमरान मसूद दोनों का यह लगातार तीसरा चुनाव है। राघव लखनपाल शर्मा को 2014 में विजय मिली थी। लेकिन इमरान मसूद दोनों चुनाव हारे थे। अबकी वह नए जोशो-खरोश के साथ चुनाव लड़े हैं और अपनी जीत का भी जोरदार ढंग से दावा कर रहे हैं। भाजपाई राघव लखनपाल की जीत को तय मानकर चल रहे हैं। ध्यान रहे पिछले चुनाव में गठबंधन उम्मीदवार फजर्लुरहमान ने राघव लखनपाल शर्मा को पराजित किया था। इस बार देखना होगा कि राघव लखनपाल शर्मा बाजी पलट पाते हैं या नहीं।

सहारनपुर पुलिस ने शिवकुमार हत्याकांड का करा खुलासा

हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, सहारनपुर पुलिस ने शिवकुमार हत्याकांड का खुलासा करते हुए हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई बड़े खुलासे भी किए है। सहारनपुर के संभलहेडी गांव के शिवकुमार हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि मृतक के दोस्त ने ही लूट के इरादे से घटना को अंजाम दिया है। हत्यारोपी मृतक का पड़ोसी है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस लाइन सभागार में एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने संवाददाताओं को जानकारी देते हुए बताया कि 14 मई को थाना गागलहेड़ी क्षेत्र के गांव पाली में एक युवक का शव मिला था। मृतक की पहचान शिवकुमार उर्फ शिब्बू पुत्र महेंद्र निवासी गांव संभलहेड़ी के रूप में हुई थी। इसके बाद से पुलिस हत्यारोपी की तलाश कर रही थी। शक के आधार पर मृतक के पड़ोसी राजेश पुत्र कुशलपाल को हरौड़ा कट के पास से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शिवकुमार हरियाणा में गन्ना क्रेशर पर मजदूरी करता था। दोनों दोस्त थे जो अक्सर शराब पीते थे। घटना वाले दिन दोनों घंटाघर से कैलाशपुर पहुंचे। वहां से 200 रुपये में पाली गांव जाने के लिए टैंपों तय किया। टैंपो से उतरने के बाद दोनों पैदल ही घर जा रहे थे। इस बीच आरोपी राजेश ने देख लिया था कि शिवकुमार के पास काफी रुपये हैं। तब उसने लूट की योजना बनाई। आरोपी ने मौका देखकर शिवकुमार को खेत में धक्का दे दिया। इससे पहले कि शिवकुमार खड़ा होता आरोपी ने उसे दबोच लिया। जिसके बाद गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी ने उसे घसीटकर खेत के अंदर छोड़ दिया और जेब से 16700 रुपये निकालकर वहां से भाग गया। मृतक के परिजनों ने घटना के खुलासे की मांग को लेकर गागलहेड़ी थाना और पुलिस लाइन में हंगामा भी किया था। परिजनों का आरोप पड़ोसी गांव के ही एक व्यक्ति पर था। क्योंकि मृतक शिवकुमार ने उनसे रुपये ब्याज पर लिए हुए थे। हालांकि हत्याकांड का खुलासा होने के बाद उस व्यक्ति को क्लीन चिट दे दी गई।

सहारनपुर में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना को लेकर मीडिया कर्मियों से की वार्ता

मतगणना एजेंट सिर्फ डायरी और पेन ही अंदर लेकर जा सकते हैं - डीईओ

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने मतगणना को लेकर मीडिया कर्मियों से वार्ता के दौरान बताया कि चार जून को होने वाली मतगणना के लिए तमाम व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सेंट्रल वेयर हाउस परिसर में सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी। लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना विधानसभा वार होगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए 14-14 मेजें लगाई जाएंगी। जनपद की सात विधानसभा सीटों में से पांच सहारनपुर लोकसभा और दो विधानसभा सीट कैराना लोकसभा सीट में शामिल हैं।मतगणना की तिथि 04 जून को मतगणना स्थल पर छाया हेतु टेण्ट आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यह अपेक्षित है कि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, मतगणनाकर्मी, मीडियाकर्मी हल्के सूती वस्त्रों का प्रयोग करें एवं अपने साथ छाता एवं सर को ढकने के लिए सफेद सूती गमछा या अन्य कोई कपडा रखें। पैरों में आरामदायक जूते या चप्पल पहनें। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि मतगणना स्थल पर पीने योग्य शीतल जल का पर्याप्त प्रबंध होगा। वहां गुड, ग्लूकोज आदि की भी व्यवस्था की गयी है। तेज धूप से बचने हेतु टोपी, हैट, काला चश्मा, छाता आदि का प्रयोग करें। अत्याधिक चाय, कॉफी या कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन न करें, इनसे शरीर में पानी की मात्रा कम होने की संभावना रहती है। मतगणना स्थल पर ताजा भोजन, नाश्ता उपलब्ध कराये जाने हेतु फूड-कोर्ट आदि की व्यवस्था करायी गयी है। मतगणना स्थल पर पर्याप्त मात्रा में शीतल पेयजल, ओ0आर0एस0 पैकेट के साथ ग्लूकोज एवं गुड़ की उपलब्धता की गयी है। मतगणना स्थल पर मेडिकल कैम्प लगाया गया है जहां डॉक्टर की उपलब्धता होगी तथा पर्याप्त दवायें एवं पैरा मेडिकल स्टाफ उपलब्ध होगा। मतगणना केन्द्र पर ऑक्सीजन सिलेण्डर की सुविधा के साथ एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थल पर बने मीडिया सेन्टर पर पत्रकार बंधुओं के लिए बेहतर व्यवस्था की गयी है। सूचनाओं का सम्प्रेषण भी समय से किया जाएगा। मीडिया सेन्टर से 05-05 व्यक्तियों के समूह में पत्रकारों को भ्रमण कराया जाएगा, किन्तु भ्रमण के दौरान उनके मोबाइल फोन जमा करा दिये जायेंगे। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने बताया कि मतगणना सभागार में मतगणना एजेंट सिर्फ डायरी और पेन ही अंदर लेकर जा सकते हैं। उनके लिए ठंडे पानी की व्यवस्था सभागार के बाहर रहेगी। मतगणना सभागार में मोबाइल फोन, आईपैड, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, माचिस और शस्त्र आदि लाने की अनुमति नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना की समस्त प्रक्रिया को

मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराई जाएगी। सभी अधिकारियों को मतगणना स्थल पर बेरीकेडिंग, पानी, भोजन, सुरक्षा व्यवस्था, एंट्री गेट, पार्किंग, मतगणना स्थल के अंदर टेबल चेकिंग से संबंधित सभी बिन्दुओं पर आयोग के दिशा निर्देशों के तहत कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने कहा कि मतगणना स्थल पर मोबाईल एवं इलेक्ट्रानिक गैजेट का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जनपद की सात विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान सम्पन्न हुआ था। मतगणना जनता रोड स्थित सेन्ट्रल वेयर हाउस पर प्रातः 08 बजे से की जायेगी। सहारनपुर लोक सभा की विधानसभाओं बेहट की 29, सहारनपुर नगर की 33, सहारनपुर की 28, देवबन्द की 27, रामपुर मनिहारान की 24 राउण्ड में मतगणना होगी। इसी प्रकार कैराना आंशिक लोक सभा की विधानसभा नकुड की 28 एवं गंगोह की 29 राउण्ड में मतगणना होगी।

डॉक्टर दिनेश चंद्र ने बताया कि मतगणना स्थल पर मतगणना हेतु 14+1 = 15 मेजें लगाई जाएंगी। जिसमे एक टेबल सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तथा 14 टेबल गणना हेतु होंगी। पोस्टल बैलेट पेपर की गणना हेतु 10 टेबिल लगाई जायेगी। प्रत्येक टेबल पर एक एजेंट नियुक्त किया जाएगा। मतों की गणना के लिए एक टेबिल पर 01 गणना सुपरवाईजर, 01 गणना सहायक, 01 माइक्रो आब्जर्वर तथा 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति की जायेगी। सर्व प्रथम डाक द्वारा प्राप्त मतपत्रो की गणना की जायेगी। डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक से गणना सुपरवाईजर व गणना सहायक की नियुक्ति अलग से की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक विधान सभा के 05 मतदेय स्थलों की वीवीपैट मशीनों की पर्चियों का मिलान रेण्डमली चयन लॉटरी के आधार पर संबंधित ए0आर0ओ0 द्वारा उम्मीदवारों एवं चुनाव अभिकर्ताओं तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में किया जायेगा। मतगणना अभिकर्ता को जारी पास अहस्तांतरणीय होगा और मतगणना अभिकर्ता को एक हॉल से दूसरे हॉल में जाने की अनुमति नहीं होगी तथा मतगणना अभिकर्ता अपनी निर्धारित टेबिल से दूसरी टेबिल पर नहीं जाएगें। मतगणना केन्द्र पर केवल पास धारकों एवं आयोग द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना के परिणाम की घोषणा के पश्चात् विजयी उम्मीदवार द्वारा जुलूस आदि निकालने पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध है।

खालिस्तानी समर्थकों पर कार्रवाई करने में ट्रूडो सरकार मौन, लगातार बढ़ रहे भारत विरोधी हमले

इंटरनेशनल डेस्कः कनाडा में आए दिन खालिस्तान समर्थक भारत विरोधी हमले और तिरंगे का अपमान करते नजर आ रहे हैं लेकिन ट्रूडो सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। अब तक ट्रूडो सरकार ने भारत विरोधी एजेंडा चलाने वालों पर ना तो कोई कार्रवाई की है और ही किसी को हिरासत में लिया है।

सोशल मीडिया पर अब एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें खालिस्तान के समर्थन में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इतना ही नहीं वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि दो व्यक्ति भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को हाथ में पकड़े हुए हैं और उनमें से एक व्यक्ति तलवार निकालता है और झंडे को बीच में से फाड़ देता है। वहीं एक अन्य झंडा जमीन पर पड़ा हुआ है। आरोपी की पहचान मनजिंदर सिंह के रूप में हुई है। अभी तक इस मामले में अभी ट्रूडो सरकार ने ना तो भारत विरोधी तत्वों पर कोई कार्रवाई की है और ना ही किसी की गिरफ्तारी हुई है। बता दें कि कनाडा ने भारत के खिलाफ काम कर रहे खालिस्तानी आतंकवादियों को खुली छूट दे रखी है।

जयशंकर ने भी उठाया मुद्दा

भारत ने कनाडा, यूके समेत अन्य पश्चिमी देशों के सामने उनके यहां खालिस्तानी अलगाववादियों की बढ़ती सक्रियता को लेकर चिंता जताई है। पिछले महीने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि किसी भी देश के लिए अपनी प्रतिष्ठा के लिए इस तरह का संदेश भेजना अच्छा नहीं है। हमें उम्मीद है कि भारतीय मिशनों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कनाडा की स्थिति के बारे में जयशंकर ने कहा, हमें कनाडा में वीजा देना रोकना पड़ा था। हमारे राजनयिक काम पर जाने के लिए सुरक्षित नहीं थे। उन्हें बार-बार धमकाया गया, डराया गया। उस समय कनाडा की सरकार से बहुत कम सहयोग मिल रहा था। इसमें तब से सुधार हुआ है।

इससे पहले भी 17 मार्च को कनाडा के अल्बर्टा के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक इकट्ठा हुए थे। इस दौरान भी उन्होंने इसी प्रकार की हरकर की थी। एक खालिस्तानी समर्थक ने तिरंगे को खंजर की नोंक पर छिन्न-भिन्न कर दिया था। हालांकि, एक भारतीय गुट ने इसका विरोध किया और खालिस्तानी समर्थकों से भिड़ गया। लेकिन पुलिस ने उनको रोक लिया।

ट्रूडो के सामने मोदी ने उठाई थी आवाज

उल्लेखनीय है कि पिछले साल ज्ञ20 समिट में शामिल होने आए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को खालिस्तान के मुद्दे पर फजीहत का सामना करना पड़ा था। कनाडाई पीएम के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में बढ़ते भारत विरोधी हमलों को लेकर चिंता जताई थी। ट्रूडो ने इस पर जवाब देने से इनकार कर दिया। वहीं ट्रूडो जब कनाडा पहुंचे तो वहां भी उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा था।

इजराइल ने फिर गाजा पर की बमबारी तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

यरुशलमः इजराइल द्वारा मध्य गाजा पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात किए गए हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात बुरीज शरणार्थी शिविर में एक घर पर हुए हमले में तीन बच्चों सहित चार लोग मारे गए। सोमवार तड़के दूसरे हमले में नुसरीरात शरणार्थी शिविर में एक महिला सहित सात लोगों की मौत हो गई। इससे पहले सोमवार को इजराइली सेना ने बताया था कि गाजा सीमा के निकट एक कस्बे में एक व्यक्ति का शव मिला है। सेना के मुताबिक, आशंका है कि इस व्यक्ति को सात अक्टूबर को हमास ने अपने हमले के दौरान बंधक बना लिया हो। अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल ने हमास को तीन चरणीय युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते की पेशकश की है तथा घोषणा की है कि गाजा में लड़ाई समाप्त करने का समय आ गया है क्योंकि हमास अब इजराइल पर और बड़े पैमाने पर हमला करने में ''सक्षम नहीं है। वहीं, इजराइली मीडिया ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह हमास को नष्ट करने के अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे हैं और उन्होंने सत्ता में अपने सहयोगियों से कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा प्रस्तुत युद्धविराम प्रस्ताव से यह लक्ष्य पूरा हो जाएगा, अन्यथा इजराइल युद्ध में वापस लौट जाएगा।

पाकिस्तानः बलूचिस्तान की कोयला खदान में दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत

कराचीः पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहर संजादी कोयला खदान में सोमवार को दम घुटने से कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल घानी ने पुष्टि की कि खदान में घातक मीथेन गैस के कारण दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। संजादी क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। घानी ने कहा, सभी श्रमिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात के रहने वाले थे। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें दफनाने के लिए उनके गृहनगर भेजा जाएगा। पाकिस्तान में खनन कार्य खतरनाक कार्य स्थितियों के लिए बदनाम है।

मालदीव ने इजराइली लोगों पर लगाया बैन तो इजराइल ने कर दिया बड़ा ऐलान, कहा- भारत आएं

इंटरनेशनल डेस्कः मालदीव सरकार ने इजराइली पासपोर्ट धारकों को हिंद महासागर द्वीपसमूह में प्रवेश करने से प्रतिबंधित करने के लिए कानूनों में संशोधन करने का रविवार को फैसला किया। यह फैसला गाजा पर इजराइली सेना द्वारा किए गए हमलों को लेकर मालदीव में बढ़ते जनाक्रोश के बीच लिया गया है। इस बीच इजराइल ने अपने नागरिकों को भारत घूमने की सलाह दी है। भारत में इजराइल के राजदूत की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर भारत के खूबसूरत पर्यटन स्थलों की फोटो पोस्ट की हैं और कहा कि इंडिया आएं। सोशल मीडिया एक्स पर इजराइली एबेंसी ने लिखा, जैसे कि मालदीव ने अब इजरायलियों के आने पर बैन लगा दिया हैं, नीचे दिए यह कुछ खूबसूरत और अद्भुत भारतीय समुद्र तट हैं जहाँ इजरायली पर्यटकों का हार्दिक स्वागत होता हैं और बेहद आदर सत्कार दिया जाता हैं। हमारे डिप्लोमेट्स द्वारा यात्रा की गई जगहों के आधार पर के यह कुछ सुझाव हैं। बता दें कि मालदीव के गृह मंत्री अली इहुसन ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने इजराइली पासपोर्ट पर मालदीव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधन जल्द से जल्द करने का आज फैसला किया। समाचार पोर्टल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्रियों की एक विशेष समिति गठित की है। मालदीव में हर साल दस लाख से अधिक पर्यटक आते हैं। इसमें इजराइल से लगभग 15,000 पर्यटक शामिल हैं। मंत्रिमंडल ने उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने का भी फैसला किया है, जिनमें फलस्तीन को मालदीव से सहायता की आवश्यकता है।

इजराइली सेना ने की चार और बंधकों की मौत की पुष्टि, मरने वालों में तीन बुजुर्ग

यरुशलमः इजराइल की सेना ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार और लोगों की मौत होने की पुष्टि की है, जिनमें तीन बुजुर्ग शामिल हैं। हमास की ओर से जारी किए गए वीडियो में ये लोग रिहाई के लिए भीख मांगते नजर आए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन तीन व्यक्तियों की पहचान अमीरम कूपर, योराम मेट्जगर और हैम पेरी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे।

सैलजा की लीड 3 लाख पार, नवीन जिंदल-रणजीत चौटाला में कड़ी टक्कर

हरियाणा डेस्क ॱ हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर मतगणना सुबह 8 बजे से जारी है। सबसे पहले पोस्ट बैलट गिने जा रहे हैं। दोपहर 2 बजे तक हार-जीत की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। बताया जा रहा है कि मतगणना के लिए हर सीट पर विधानसभा वाइज 9 काउंटिंग सेंटर बनाए गए हैं। जिनमें 10 हजार से अधिक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। गड़बड़ी रोकने के लिए 20 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

प्रत्येक मतगणना केंद्र में 3 अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। मतगणना स्टाफ, मतगणना एजेंटों और ईवीएम मशीनों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। तीनों प्रवेश द्वार सीसीटीवी की निगरानी में होंगे। मतगणना केंद्रो पर अग्निशमन और एंबुलेंस की भी तैनाती की गई है। इस दौरान कानून व्यवस्था बाधित करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। मतगणना संबंधी कार्य पर निगरानी के लिए हरियाणा पुलिस के उच्च अधिकारियों की टीमें लगाई गई हैं।

राजस्थान में 14 सीटों से बीजेपी, 8 सीटों से कांग्रेस आगे

नेशनल डेस्कॱ राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटों के लिए हुए मतदान की गिनती मंगलवार सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। रा'य में 29 स्थानों पर मतगणना करवाने के लिए 1× हजार से अधिक कर्मचारी लगाए गए हैं। बता दें कि राजस्थान में भाजपा इस समय लीड में चल रही है। 25 सीटों में से भाजपा 14 सीटों से आगे दिखाई दे रही है। अब तक आंकड़ों की बात करें तो

वर्ष 2014 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रा'य की सभी 25 संसदीय सीट जीती थीं। वहीं 2019 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सभी सीट (24 भाजपा और एक राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) जीतीं, लेकिन इस बार 'एग्जिट पोल में अनुमान जताया गया है कि कि पांच से सात सीट विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया को मिल सकती हैं। इस बार कांग्रेस ने सीकर में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और नागौर में आरएलपी के साथ गठबंधन किया और बांसवाड़ा सीट पर उसने भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) का समर्थन किया, जबकि भाजपा सभी 25 सीट पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है।

मतगणना के बाद श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर, जालौर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, कोटा, टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, उदयपुर, राजसमंद तथा झालावाड़-बारां सीट के नतीजे घोषित किए जाएंगे। वहीं, बांसवाड़ा की बागीदौरा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का परिणाम भी घोषित किया जाएगा। यह सीट कांग्रेस विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय के इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद खाली हुई थी।

चीन की नई उपलब्धिः दुनिया का सबसे बड़ा सौर फार्म शिनजियांग में किया शुरू

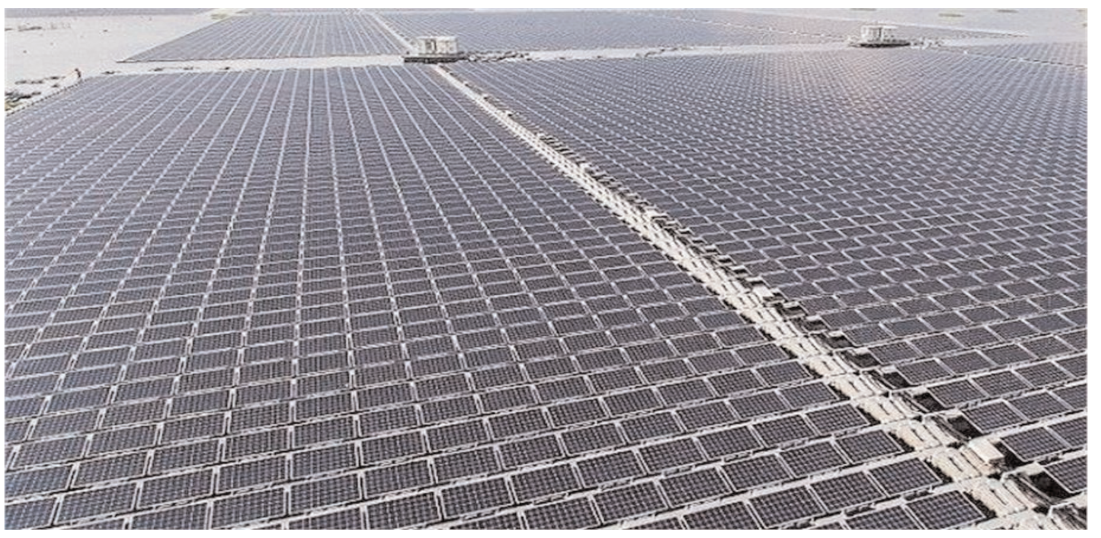

बीजिंगः चीन ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर फार्म झिंजियांग ग्रिड से जोड़ कर शुरू करदिया है। उरुमकी में 5 गीगावाट, 200,000 एकड़ का सोलर फार्म सालाना लगभग 6.09 बिलियन इइइ बिजली पैदा करेगा, जो लॉस एंजिल्स को लगभग एक साल तक बिजली देने के लिए पर्याप्त है। यह सुविधा पश्चिमी चीन में पिछले रिकॉर्ड रखने वाली सोलर परियोजनाओं को पीछे छोड़ देती है। दुनिया की सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन परियोजना उत्तर-पश्चिम चीन के झिंजियांग में 260 मेगावाट की कुक्का सुविधा का वाणिज्यिक संचालन 30 जून से शुरू होगा। यह जानकारी इसके डेवलपर, चीनी राज्य के स्वामित्व वाली तेल कंपनी सिनोपेक ने दी है।

यह वर्तमान विश्व नेता, उत्तरी चीन में निंग्ज़िया बाओफेंग एनर्जी के स्वामित्व वाली 150 मेगावाट की परियोजना से आगे निकल जाएगा, हालांकि संचालन में सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन प्रणाली के रूप में कुक्का का शासन लंबे समय तक नहीं रहेगा। एक अन्य सिनोपेक परियोजना जो लगभग एक तिहाई बड़ी है, पहले से ही चीन के इनर मंगोलिया के ओरडोस में निर्माणाधीन है, लेकिन यह ज्ञात नहीं है कि यह कब पूरा होगा और कंपनी ने इनर मंगोलिया में अ20इइठ (2.8इइठ) ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना की भी घोषणा की है जो बीजिंग में एक नई 400 किमी पाइपलाइन के माध्यम से प्रति वर्ष 100,000 टन ॥2 पंप करेगी ।

कुका शहर में अ3 बिलियन की सुविधा में उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन को पाइपलाइन द्वारा सहायक कंपनी सिनोपेक ताहे रिफाइनिंग एंड केमिकल कंपनी द्वारा संचालित एक नजदीकी तेल रिफाइनरी में भेजा जाएगा, जहाँ यह बिना रोक-टोक प्राकृतिक गैस से बने ग्रे हाइड्रोजन की जगह लेगा। ॥ 2 का उपयोग तेल रिफाइनरियों में कच्चे तेल से सल्फर को हटाने और पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। कुक्का में 210,000 क्यूबिक मीटर हाइड्रोजन को संग्रहीत करने में सक्षम एक भंडारण टैंक का उपयोग किया जाएगा, ताकि पाइपलाइन के साथ ॥2 का एक स्थिर प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके, जो प्रति घंटे 28,000 क्यूबिक मीटर परिवहन करने में सक्षम है जबकि परियोजना के 13 इलेक्ट्रोलाइजर तीन स्थानीय निर्माताओं - लोंगी, पेरिक और कॉकरिल जिंगली हाइड्रोजन द्वारा आपूर्ति किए गए हैं, जो अब बेल्जियम के जॉन कॉकरिल के 100त्न स्वामित्व में है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569